# संकल्प

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

अप्रैल 2026 | वर्ष-23 | अंक-02




## समाधान योजना का लाभ लेने 7 लाख उपभोक्ता हुए पंजीकृत, 80 प्रतिशत लक्ष्य हुआ पूरा



सी एस पी जी सी एल
CSPGCL

CSPTCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

# विद्युत विकास के बढ़ते कदम

| विवरण | नवम्बर 2000 | मार्च 2026 |
|---|---|---|
| ताप विद्युत क्षमता | 1,240 मेगावॉट | 2,840 मेगावॉट |
| जल विद्युत क्षमता | 120 मेगावॉट | 138.70 मेगावॉट |
| कुल ताप, जल विद्युत क्षमता | 1,360 मेगावॉट | 2,978 मेगावॉट |
| अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या | 27 नग | 140 नग |
| अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई | 5,205 सर्किट किमी | 15,036 सर्किट किमी |
| 400 केवी उपकेन्द्र की संख्या | 1 नग | 5 नग |
| 400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता | 945 एमवीए | 4,410 एमवीए |
| 400 केवी लाइन की लंबाई | 277 किमी | 1,972 किमी |
| 220 केवी उपकेन्द्र की संख्या | 5 नग | 28 नग |
| 220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता | 1,350 एमवीए | 11,280 एमवीए |
| 220 केवी लाइन की लंबाई | 1594.30 किमी | 4,472किमी |
| 132 केवी उपकेन्द्र की संख्या | 20 नग | 107 नग |
| 132 केवी उपकेन्द्र की क्षमता | 1,257 एमवीए | 12,548 एमवीए |
| 132 केवी लाइन की लंबाई | 2,974 किमी | 8,592 किमी |
| 33/11 केवी उपकेन्द्र की संख्या | 248 नग | 1,501 नग |
| 33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता | 1,033 एमवीए | 10,851 एमवीए |
| 33 केवी लाइन की लंबाई | 6,988 सर्किट किमी | 26,512सर्किट किमी |
| 11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या | 29,692 नग | 2,62,842 नग |
| 11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता | 1,951 एमवीए | 15,451 एमवीए |
| 11 केवी लाइन की लंबाई | 40,556 किमी | 1,52,475 किमी |
| निम्नदाब लाइन की लंबाई | 51,314 किमी | 2,53,984 किमी |
| उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब | 18,90,998 | 66,34,636 |
| उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब | 530 | 4,335 |
| विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक ) | 73,369 | 6,10,462 |
| अस्थायी पंपों की संख्या | - | 2,39,927 |
| ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या | 17,108 | 19,609 |
| अधिकतम मांग | 1,334 मेगावॉट | 7006 मेगावॉट |

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

# संकल्प

मार्च-अप्रैल 2026 | वर्ष-23 | अंक-02

## संरक्षक



**श्री सुबोध कुमार सिंह** (IAS)
माननीय अध्यक्ष
**CSPTCL**



**डॉ. रोहित यादव** (IAS)
माननीय अध्यक्ष
**CSPGCL / CSPDCL**



**श्री एस.के. कटियार**
प्रबंध निदेशक
**CSPGCL**



**श्री आर.के. शुक्ला**
प्रबंध निदेशक
**CSPTCL**



**श्री भीम सिंह कंवर**
प्रबंध निदेशक
**CSPDCL**

## संपादक



**गोविन्द पटेल**
उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सम्पादन सहयोग : **अनामिका मण्डावी**
छाया : **संजय टेम्भे**
कार्यालय सहयोग : **सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर**
फोन : 0771-2574702 E-mail : procsphcl@gmail.com

## क्रम




मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का शुभारंभ ..... 02
जनरेशन कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान ..... 05
पॉवर कंपनी को मिला ए ग्रेड रैंकिंग ..... 06
पीएम जनमन के अमल में अव्वल ..... 07
लाइनमेन को राष्ट्रीय पुरस्कार ..... 11
राजधानी में बेहतर विद्युत आपूर्ति ..... 13
अनवरत् विद्युत विकास ..... 16
स्मार्ट मीटर पखवाड़ा में 72 हजार फीडबैक ..... 20
बिजली कर्मियों को बैंकों से बड़ा तोहफा ..... 21
परिचयावली ..... 29
डिजिटल सेवाओं में छत्तीसगढ़ी ..... 30
विदाई ..... 31
कम जगह में सुंदर दिखेंगे मोनोपोल ..... 33



# श्री विष्णुदेव साय ने किया मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का शुभारंभ

**कोरोना में आर्थिक रूप से कमजोर हुए बिजली उपभोक्ताओं को मजबूत करेगी एमबीबीएस योजना**

**प्रदेशभर के सभी बिजली वितरण केंद्रों व कार्यालयों में पंजीयन हुआ शुरू**

**निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि एवं अधिभार में छूट**

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का शुभारंभ किया। इसमें कोरोना महामारी व अन्य कारणों से बकाया विद्युत बिलों के भुगतान से उपभोक्ताओं को सीधे राहत प्रदान की जाएगी। प्रदेश में 29 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को 758 करोड़ रुपए तक की सीधी छूट मिलेगी। इतनी बड़ी राशि पहली बार एकमुश्त बिजली उपभोक्ताओं की माफ की जाएगी।

राजधानी रायपुर के मेडिकल कालेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में 12 मार्च को आयोजित समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने एवं प्रोटोकाल के कारण कई महीनों तक मीटर रीडिंग नहीं हो पाई थी। जब लोगों को





एक साथ कई महीने का बिल मिला तो वे इसे जमा नहीं कर पाए। कोरोना महामारी के कारण अनेक लोग आर्थिक रूप से इतने कमजोर हो गए थे कि इन्हें जमा करने में अक्षम हो गए। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना–2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत बिलों के भुगतान में राहत प्रदान की जाएगी तथा उपभोक्ताओं को सरल और सुविधाजनक तरीके से अपने बकाया बिलों का निराकरण करने का अवसर मिलेगा। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगी। भुगतान के बाद उन्हें एम-ऊर्जा (मुख्यमंत्री उर्जा राहत जन अभियान) का लाभ मिलना शुरु हो जाएगा, इसके तहत उन्हें 400 यूनिट तक खपत करने पर 200 यूनिट तक आधा बिल राशि की छूट मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने योजना के तहत लाभान्वित उपभोक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के 2931 हितग्राहियों को राज्य शासन की ओर से देय सब्सिडी 8 करोड़ 79 लाख रूपए का बटन दबाकर हस्तांतरण किया गया। इसके अलावा पीएम कुसुम सहित अन्य योजना के हितग्राहियों को भी प्रमाण पत्र दिया गया। महिला स्वसहायता समूह को पीएम सूर्यघर का वेंडर बनाने का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि इस योजना का नाम एमबीबीएस (मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान) योजना रखा जाए। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 की स्थिति में बकाया राशि को आधार मानकर उपभोक्ताओं को मूल राशि एवं अधिभार (सरचार्ज) में छूट प्रदान की जाएगी। यह पहली योजना है, जिसमें 758 करोड़ रुपए सीधे-सीधे माफ किये जाएंगे। बिजली के क्षेत्र में इतनी बड़ी राशि की छूट पहली बार दी जा रही है। इसके लिए योजना में शामिल उपभोक्ताओं को पंजीयन की सुविधा मोर बिजली एप, विद्युत वितरण केंद्रों में 30 जून तक पंजीयन कराना होगा। भुगतान करते समय उपभोक्ता सावधानी बरतें, केवल किसी तरह का शंका होने पर वितरण केंद्र के अधिकारियों से संपर्क करें।

रायपुर उत्तर के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि एमबीबीएस योजना को इस तरह याद रखें, मोर बेटा विष्णुदेव साय। इस योजना से गरीब, किसानों के साथ आम उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए यह अच्छी योजना है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने कहा कि इस योजना का क्रियान्वयन आज से ही सभी वितरण केंद्रों में कर दिया गया है। इसके लिए गांव-गांव में शिविर लगाये जाएंगे, ताकि उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिले। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन कुमार अग्रवाल, श्री संदीप यदु, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के सचिव श्री सूर्यप्रकाश शुक्ला, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार विश्वरंजन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के निदेशक श्री आरए पाठक सहित कार्यपालक निदेशक व मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे।



# मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना में सात लाख उपभोक्ताओं का पंजीयन

- **पात्रता रखने वाले 80 प्रतिशत उपभोक्ता पंजीकृत**
- **30 जून तक ले सकते हैं योजना का लाभ**
- **प्रदेश में 51.68 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त, 71 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को मिला समाधान**



मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में उपभोक्ताओं से उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। योजना के तहत 26 अप्रैल तक कुल 8 लाख 98 हजार 562 लक्षित उपभोक्ताओं में से 7 लाख 11 हजार 474 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है, जो कुल लक्ष्य का 79.18 प्रतिशत है। योजना के माध्यम से अब तक 51.68 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है तथा 71 हजार 475 उपभोक्ताओं को पूर्ण समाधान प्रदान किया जा चुका है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि अब तक योजना के लिए पात्र लगभग 80 प्रतिशत उपभोक्ता पंजीयन करा चुके हैं। उन्होंने पात्र उपभोक्ताओं से 30 जून 2026 तक योजना का लाभ लेने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 की स्थिति में लंबित बकाया राशि को आधार मानकर उपभोक्ताओं को मूल राशि एवं अधिभार (सरचार्ज) में विशेष छूट प्रदान की जा रही है। योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिलों से राहत देने के साथ आसान भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री कंवर ने कहा कि यह प्रदेश की ऐसी पहली योजना है, जिसके अंतर्गत लगभग 758 करोड़ रुपए तक की राहत सीधे उपभोक्ताओं को प्रदान की जाएगी। बिजली क्षेत्र में इतनी बड़ी राशि की छूट पहली बार दी जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना में शामिल उपभोक्ताओं के लिए पंजीयन की सुविधा सरल एवं सुलभ बनाई गई है, ताकि अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकें।

योजना के तहत बीपीएल, एपीएल एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं का व्यापक स्तर पर पंजीयन किया जा रहा है। विभाग द्वारा शिविरों, जनसंपर्क अभियान एवं विशेष काउंटरों के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा जा रहा है।

इस योजना की क्षेत्रवार प्रगति में अंबिकापुर क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 3 लाख 6 हजार 171 लक्षित उपभोक्ताओं में से 2 लाख 57 हजार 762 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया। यह कुल लक्ष्य का 84.19 प्रतिशत है। यहां से 19.22 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई तथा 18 हजार 658 उपभोक्ताओं को पूर्ण समाधान मिला।

जगदलपुर क्षेत्र ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 82.92 प्रतिशत पंजीयन दर्ज किया। वहीं रायगढ़, रायपुर ग्रामीण और रायपुर शहर क्षेत्रों में भी 80 प्रतिशत से अधिक पंजीयन प्राप्त हुआ है।

बिलासपुर क्षेत्र में 73.17 प्रतिशत तथा दुर्ग क्षेत्र में 67.39 प्रतिशत उपभोक्ताओं का पंजीयन हुआ है। राजनांदगांव क्षेत्र में पंजीयन प्रतिशत 59.18 दर्ज किया गया, जहां अभियान को और गति देने के प्रयास जारी हैं।

योजना के अंतर्गत बकाया बिजली बिल वाले उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करते हुए आसान भुगतान एवं समाधान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विद्युत विभाग द्वारा लगातार शिविरों, जनसंपर्क एवं विशेष अभियान के माध्यम से अधिकाधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

**दुर्ग/बालोद/बेमेतरा।** मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के अंतर्गत दुर्ग क्षेत्र (दुर्ग, बालोद, बेमेतरा जिले) में आर्थिक रुप से कमजोर एवं किसानों को बिजली बिलों के बोझ से मुक्त करने का अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। इस जनकल्याणकारी योजना के माध्यम से 15 अप्रैल 2026 तक दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के लगभग 48 हजार से अधिक सक्रिय एवं निष्क्रिय उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि एवं अधिभार(सरचार्ज) में 14 करोड़ 90 लाख 43 हजार रुपए की भारी छूट प्रदान की जा चुकी है। समाधान योजना का मुख्य उद्देश्य गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) जीवन यापन करने वाले निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं और कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने बताया कि योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए तीनों जिलों के 62 वितरण केंद्रों एवं 12 जोन मे विशेष समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विभाग की टीमें घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को योजना की पात्रता और छूट की प्रक्रिया के बारे में जागरुक कर रही है। विभाग का लक्ष्य निर्धारित सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पात्र उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना है।

# जनरेशन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

## 91 प्रतिशत पीएलएफ के साथ डीएसपीएम संयंत्र ने रचा कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (डीएसपीएम) कोरबा पूर्व ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा सचिव एवं पॉवर जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने जनरेशन कंपनी के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को बधाई दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने बताया कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा जारी रिपोर्ट (9 अप्रैल 2026) में हमारे संयंत्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिसमें डीएसपीएम कोरबा पूर्व ने सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। यह हमारे कुशल प्रबंधन एवं संयंत्रों के नियमित रख-रखाव का परिणाम है कि निर्धारित मापदण्डों से कई ज्यादा हमारे संयंत्र ने परफॉर्म कर राष्ट्रीय स्तर पर यह कीर्तिमान हासिल किया है। डीएसपीएम के दोनों (2×250 मेगावॉट) क्षमता के विद्युत इकाईयों ने 2025-26 में 91 प्रतिशत पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) अर्जित किया है। डीएसपीएम ने सीईए (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण) एवं सीएसईआरसी (छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन) के निर्धारित लक्ष्य 85 प्रतिशत से भी अधिक 91 प्रतिशत पीएलएफ प्राप्त कर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी का गौरव बढ़ाया है।इसके अलावा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने एक और उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के वार्षिक मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन का समग्र प्रदर्शन भी अच्छा रहा है जिसमें 33 संस्थाओं में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी तीसरा स्थान हासिल कर टॉप तीन की श्रेणी में शुमार है।

सी एस पी जी सी एल CSPGCL

## छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को मिला राष्ट्रीय सम्मान

### चेयरमेन डॉ. रोहित यादव ने दी बधाई

### प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने लिया पुरस्कार




इंडियन पॉवर स्टेशन (ओ एंड एम) कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। रायपुर में एनटीपीसी द्वारा आयोजित इंडियन पॉवर स्टेशन ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली क्षेत्र की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। राजधानी के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में जनरेशन कंपनी के अंतर्गत संचालित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत केंद्र,(डीएसपीएम) कोरबा पूर्व को वर्ष 2024-25 के लिए "सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला विद्युत केंद्र सम्मान" प्रदान किया गया।

यह प्रतिष्ठित सम्मान कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस. के. कटियार ने ग्रहण किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। यह सम्मान केंद्र के उत्कृष्ट उत्पादन, उच्च कार्यकुशलता तथा विश्वसनीय संचालन का प्रतीक है। सम्मेलन में विद्युत उत्पादन की गुणवत्ता, आपूर्ति की विश्वसनीयता, तापीय विद्युत केंद्रों की दक्षता तथा भविष्य में अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा संचयन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर देशभर के विद्युत उत्पादन संगठनों के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने बदलते ऊर्जा परिदृश्य में आधुनिक तकनीक तथा बेहतर प्रबंधन व्यवस्था अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस उपलब्धि से न केवल छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का गौरव बढ़ा है। आयोजन के दौरान उपस्थित अतिथियों ने केंद्र की पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे राज्य के विद्युत क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति और समर्पण का परिणाम बताया।

# CSPDCL की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार, 14वीं एकीकृत रेटिंग में ग्रेड 'ए' में उन्नयन

भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ पॉवर ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के विद्युत उपभोक्ताओं की सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार को सराहा है। हाल ही में देश के 54 विद्युत वितरण कंपनियों की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को ए रेटिंग दी है। यह सीएसपीडीसीएल की प्रशासनिक दक्षता और कसावट का नतीजा बताया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह एवं ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है। सीएसपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी 14वीं वार्षिक एकीकृत रेटिंग एवं रैंकिंग (इंटीग्रेटेड रेटिंग एंड रैंकिंग) ऑफ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटीज में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपना ग्रेड 'बी' से 'ए' में उन्नयन किया है। इस नवीनतम रेटिंग में कंपनी को 70.40 अंक प्राप्त हुए हैं, जबकि 13वीं रेटिंग में कंपनी का स्कोर 54.41 अंक था। इस प्रकार कंपनी ने 16 अंकों से अधिक का महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया है, जो विद्युत वितरण व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन एवं उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में किए गए सतत सुधारात्मक प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह रेटिंग तकनीकी प्रदर्शन, वित्तीय स्थिति, उपभोक्ता सेवाएं, नियामकीय अनुपालन तथा प्रशासनिक दक्षता जैसे प्रमुख मापदंडों के आधार पर निर्धारित की जाती है।

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने लाइन लॉस में कमी, बिलिंग एवं राजस्व संग्रह में सुधार, शिकायत निवारण व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा अधोसंरचना विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसका सकारात्मक परिणाम इस रेटिंग में परिलक्षित हुआ है। श्री कंवर ने इस उपलब्धि को राज्य शासन के मार्गदर्शन, अधिकारियों-कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास एवं उपभोक्ताओं के सहयोग का परिणाम बताया है। कंपनी ने भविष्य में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाते हुए आगामी रेटिंग में उच्चतर ग्रेड प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।




भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ पॉवर ने जनवरी 2026 में जारी की सूची



"सीएसपीडीसीएल का 14वीं एकीकृत रेटिंग में 'बी' से 'ए' ग्रेड में उन्नयन हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता, प्रशासनिक दक्षता और सतत सुधारों का स्पष्ट प्रमाण है। 70.40 अंकों के साथ दर्ज यह उल्लेखनीय प्रगति विद्युत वितरण, वित्तीय प्रबंधन एवं उपभोक्ता सेवाओं में किए गए ठोस प्रयासों को दर्शाती है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे सुधारों ने हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है। यह उपलब्धि सभी अधिकारी-कर्मचारियों के समर्पण तथा उपभोक्ताओं के सहयोग का परिणाम है। अब लक्ष्य स्पष्ट है—इस स्तर को बनाए रखते हुए और उच्चतर मानकों की ओर बढ़ना।"

**डॉ. रोहित यादव**
चेयरमेन
(जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

# पीएम जनमन के अमल में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

## 7160 अत्यंत पिछड़े जनजाति घरों को ग्रिड से बिजली देने का लक्ष्य पूर्ण

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करते हुए देश में प्रथम स्थान अर्जित किया है। इस योजना के तहत विशेष पिछड़ी अनुसूचित जनजातियों के 7160 घरों में ग्रिड से बिजली पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा प्रदेश के ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव ने हितग्राहियों तथा कंपनी कर्मियों को बधाई प्रेषित की है।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना की शुरूआत की गई थी जिसे पीएम जनमन के लोकप्रिय नाम से जाना जाता है। इस योजना के अंतर्गत, छत्तीसगढ़ की सात विशेष पिछड़ी जनजातियों, अबुझमाड़ियों, बैगा, भारिया, पहाड़ी कोरबा, कमार, अगरिया तथा बिरहोर जनजातियों के आवासों का सर्वेक्षण किया गया था।

इस योजना के अंतर्गत 7160 ऐसे आवासों को चिन्हांकित किया गया जहां ग्रिड से बिजली नहीं पहुंची थी। इन घरों को बिजली कनेक्शन देने के लिए 37 करोड़ रूपये की लागत से अधोसंरचना का विकास किया गया जिसके अंतर्गत टॉवर, लाइन, फीडर, ट्रांसफार्मर आदि की स्थापना की गई और इन्हें क्रियाशील किया गया। इस तरह छत्तीसगढ़, विशेष पिछड़ी जनजातियों के 7160 घरों में बिजली कनेक्शन देने वाला देश का अव्वल राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सबसे कमजोर तबकों को ग्रिड की बिजली की सुविधा प्रदान करने के लिए किये गये कार्यों पर प्रशंसा जाहिर की।

वहीं प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर तथा काम को अंजाम देने वाले समस्त विद्युत कर्मियों की सराहना की।

इसके अतिरिक्त प्रदेश के 28 जिलों में अनुसूचित जनजाति बसाहटों तथा इनमें शेष अविद्युतीकृत आवासों में बिजली पहुंचाने के लिए भी संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत सरकार द्वारा संचालित यह योजना धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के नाम से जानी जाती है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की 6863 बसाहटों में 65 हजार 711 घरों का चिन्हांकन किया गया है जिनमें से 11 हजार 720 घरों में ग्रिड से बिजली पहुंचाई जा चुकी है तथा शेष कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं।

एमडी श्री भीमसिंह ने अधोसंरचना के विकास से लेकर घरों में बिजली पहुंचाने तक समस्त कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य करने की अपील बिजली अमले से की।



"प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के 7160 घरों तक ग्रिड बिजली पहुंचाकर छत्तीसगढ़ का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच, जनजातीय समुदायों के उत्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और संवेदनशील नेतृत्व का परिणाम है।

मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने देश के सबसे दूरस्थ और वंचित जनजातीय परिवारों तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प लिया। राज्य सरकार इस अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक बिजली सहित मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। मैं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा इस अभियान से जुड़े सभी कर्मवीरों को भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।"

**विष्णुदेव साय**
मुख्यमंत्री

# सोलर के सहारे चल रहे गांवों में मुख्य विद्युत लाइन से बिजली

## वनांचल को मिलेगा स्थायी उजाला, प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने किया दौरा

प्रदेश क्षेत्र के वनांचल के गांवों में जहां अब तक सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई थी, अब शीघ्र ही मुख्य बिजली लाइन (ग्रिड) से जोड़ा जाएगा। इससे इन गांवों को अस्थायी सोलर व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी और नियमित, स्थायी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसका जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर अधिकारियों की टीम के साथ 16 अप्रैल को मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिलासपुर के कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का आकलन किया तथा आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित बिजली अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते कोटा वनांचल में स्थित सरगोड़, छुइहया, चिचवा डबरी एवं परसापानी गांवों में पहले सोलर प्लांट के जरिए बिजली पहुंचाई गई थी। किंतु अब बिजली विभाग ने इन गांवों को मुख्य ग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने गांवों में पहुंचकर सर्वे एवं तकनीकी निरीक्षण किया। इस दौरान एमडी श्री भीम सिंह कंवर ने कहा कि सोलर व्यवस्था एक अस्थायी समाधान था, लेकिन अब इन गांवों को मुख्य बिजली लाइन से जोड़कर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

ग्रामीणों ने भी इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें सीमित सोलर बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और वे पंखा, टीवी, मोटर जैसे उपकरणों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे।चूंकि ये गांव घने जंगलों से घिरे हुए हैं, अतः वहां तक बिजली लाइन खींचने के लिए फॉरेस्ट क्लीयरेंस की भी आवश्यकता होगी।

इस संबंध में अधिकारियों ने एमडी श्री भीम सिंह कंवर को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने वन विभाग से क्लीयरेंस प्राप्त करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि चारों गांवों के विद्युतीकरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्य विद्युत लाइन पहुंचने से क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज होगी और ग्रामीणों को लंबे समय से प्रतीक्षित स्थायी बिजली सुविधा का लाभ मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान विद्युत कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री एस. के. जांगड़े, ईई प्रोजेक्ट श्री मिलिंद पाण्डेय, कोटा ईई श्री राजेन्द्र गोंड सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।





# श्री राजेश कुमार शुक्ला तीसरी बार बने प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन

छत्तीसगढ़ शासन, ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार श्री राजेश कुमार शुक्ला को पुनः सेवा वृद्धि प्रदान की गई है। वे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में प्रबंध निदेशक के पद पर तीसरी बार नियुक्त किये गये है। श्री शुक्ला ने राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ को संवारने और राज्य शासन के रीति-नीति के अनुरूप विद्युत विकास के मामले में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाये रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं पॉवर कंपनी के अध्यक्ष (ट्रांसमिशन) श्री सुबोध कुमार सिंह तथा ऊर्जा सचिव व पॉवर कंपनी के अध्यक्ष (डिस्ट्रीब्यूशन-जनरेशन) डॉ. रोहित यादव के प्रति भी आभार जताया।

जबलपुर (मध्यप्रदेश) में 8 जुलाई 1963 को जन्मे श्री शुक्ला ने वर्ष 1983 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर से बी.ई इलेक्ट्रिकल कर स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1984 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल, जबलपुर में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में सेवायात्रा प्रारंभ की और आगे विभिन्न पदों पर रहते हुए वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रबंध निदेशक के शीर्ष पद पर नियुक्त हुए।

श्री शुक्ला के मार्गदर्शन में बीते दो वर्षों में ट्रांसमिशन कंपनी ने तकनीकी सुदृढ़ीकरण, परिचालन दक्षता एवं पारदर्शिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उनके नेतृत्व में विद्युत पारेषण तंत्र के विस्तार, आधुनिकीकरण तथा संस्थागत सुधारों की दिशा में निरंतर प्रगति हुई है।



## 1 अप्रैल से सभी बिजली दफ्तर में ई-ऑफिस सिस्टम लागू

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के राजधानी स्थित डंगनिया मुख्यालय में ई-ऑफिस का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के बाद अब प्रदेश के सभी बिजली दफ्तर में 1 अप्रैल 2026 से ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने के साथ फाइलों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के लिए ई-ऑफिस का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में मुख्यालय स्तर पर 10 नवंबर 2025 से किया जा चुका है। अब इसे प्रदेश के सभी कार्यालयों में लागू करने का निर्णय लिया गया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री एएम परियल ने इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के जनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में अब पेपरलेस काम की तैयारी की जा रही है। ई-ऑफिस के माध्यम से अब नोटशीट, आदेश, पत्र और परिपत्र जैसे सभी दस्तावेजों का निर्माण, अनुमोदन, प्रेषण तथा संधारण पूरी तरह डिजिटल रूप से किया जाएगा। इससे कार्यों में गति आएगी और कागज के उपयोग में कमी होगी।

## ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) की जिम्मेदारी मिली श्रीमती रश्मि वर्मा को

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में श्रीमती रश्मि वर्मा ने मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) के पद पर 9 अप्रैल को पदभार ग्रहण किया। उन्हें मुख्य अभियंता श्री ए.एम. परियल द्वारा विधिवत कार्यभार सौंपा गया। श्रीमती वर्मा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के रूप में पदस्थ थीं। कंपनी प्रबंधन ने उन्हें मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की और मानव संसाधन की जिम्मेदारी दी। इस अवसर पर सभी ने श्रीमती वर्मा को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री ए.एम. परियल ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मुख्य अभियंता (ईआईटीसी) का प्रभार ग्रहण किया है।

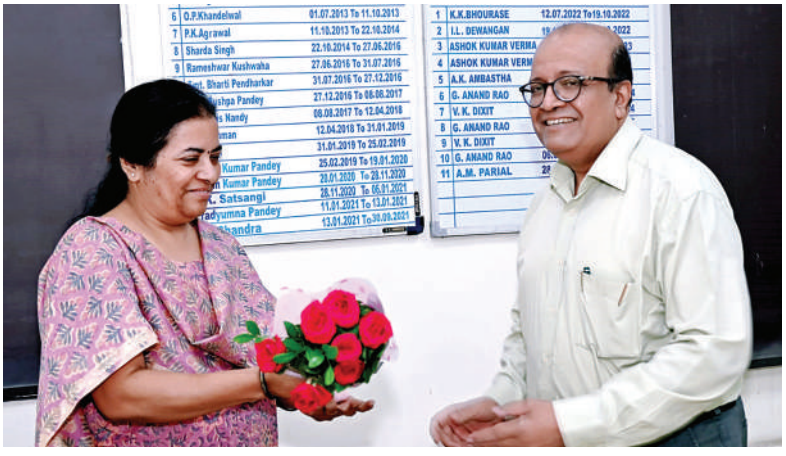

# ग्रामीण विद्युतीकरण को नई दिशा देने पहुंचे सीएसपीडीसीएल प्रबंध निदेशक



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (सीएसपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक एवं छत्तीसगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (क्रेडा) के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी का 28 फरवरी को पेंड्रा जिले का दौरा ग्रामीण विद्युतीकरण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं जन-केंद्रित पहल साबित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर विद्युत आपूर्ति संबंधी सुधारों पर चर्चा की।



प्रबंध निदेशक एवं प्रभारी सीईओ, क्रेडा ने इस दौरान प्रसिद्ध वैद्य ननकू वैद से भेंट की तथा हाल ही में स्थापित विद्युत लाइन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर विद्युत आपूर्ति संबंधी सुधारों पर चर्चा की। साथ ही, क्षेत्र में चंदन खेती सहित अपनाई जा रही उन्नत एवं उच्च-मूल्य कृषि पद्धतियों का अवलोकन भी किया। ठठपथरा के दौरे के दौरान हाल ही में प्रारंभ की गई नियमित विद्युत लाइन की स्थिति का जायजा लिया गया। क्रेडा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पूर्व में स्थापित सौर आधारित व्यवस्था को निकट भविष्य में किसी अधिक आवश्यक स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि अक्षय ऊर्जा संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

पेंड्रा विश्राम गृह में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रचलित कार्यों के संचालन संबंधी चुनौतियों एवं आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को जनता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, जिम्मेदारी और शुद्ध भावना से करने का स्पष्ट संदेश दिया। सीएसपीडीसीएल संभागीय कार्यालय में भी व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित कर चल रही परियोजनाओं, परिचालन चुनौतियों एवं भावी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद के माध्यम से ग्रामीण विद्युतीकरण को सुदृढ़ बनाने हेतु सामूहिक समाधान एवं सहयोगात्मक प्रयासों पर बल दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

# केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्री नाईक ने पॉवर कंपनी के लाइनमेन को किया पुरस्कृत

**छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मैदानी अमलों की दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए लाइनमेन को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत पर्यावास केन्द्र लोधी रोड में आयोजित एक भव्य समारोह में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाईक ने ट्रांसमिशन कंपनी के दो एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एक लाइनमेन को सर्वश्रेष्ठ लाइनमेन का सम्मान प्रदान किया। इस अवसर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के द्वारा श्री वर्मा को प्रशस्ति पत्र, शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।**



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत श्री ओंकार साहू लाइन सहायक श्रेणी-1 (220 केवी उपकेंद्र सरायपाली) एवं श्री सीताराम लाइन परिचारक श्रेणी-1 (एमआरटी संभाग भिलाई) को दिल्ली में तकनीकी दक्षता एवं निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार विद्युत मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

वार्षिक कार्यों के मूल्यांकन आधार पर उनका चयन हुआ। श्री ओंकार साहू ने वर्ष 2025 में सरायपाली, बसना और सांकरा सब-स्टेशन पर अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें 160 एमवीए ट्रांसफार्मर का आंतरिक निरीक्षण, तेल निस्पंदन, सीटी प्रतिस्थापन, पैनल इंस्टालेशन एवं बैटरी सेट रिप्लेसमेंट तथा इंसुलेटर बदलने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर निष्पादित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। उनकी ईमानदारी, तकनीकी दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा से समय पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति होती रही। इसी प्रकार श्री सीताराम साहू द्वारा 132 केवी उपकेंद्र राजनांदगांव उपकेंद्र में पुराने कंट्रोल रूम से पुराने ट्रांसफार्मरों, पुराने फीडर पैनलों को विच्छेदित कर नए निर्माण किए गए। कंट्रोल रूम में नए कंट्रोल एवं रिले पैनलों का टर्मिनेशन, परीक्षण एवं स्थापना के कार्यों को अतिशीघ्र समयावधि में संपन्न किया गया।





**राजनांदगांव** - डोंगरगढ़ संभाग के मुसराकला वितरण केन्द्र में पदस्थ लाइनमेन श्री ईश्वरी लाल वर्मा को भी केंद्रीय मंत्री श्री नाईक न सम्मानित किया। उन्हें यह राष्ट्रीय पुरस्कार उनकी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में अटूट कर्तव्यनिष्ठा, उच्च तकनीकी दक्षता और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किया गया है। विशेष रूप से, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रिकॉर्ड सोलर कनेक्शन प्रदान करने में उनके असाधारण योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई।

श्री वर्मा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री भीम सिंह कंवर ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर यह सम्मान मिलना छत्तीसगढ़ की विद्युत सेवाओं की गुणवत्ता और हमारे कर्मचारियों के समर्पण का प्रमाण है। यह सम्मान न केवल श्री ईश्वरी लाल वर्मा की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह प्रदेश के हजारों बिजली कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने वाला एक मील का पत्थर साबित होगा।

राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट एवं राजनांदगांव वृत के अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर ने भी श्री वर्मा को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि मुसराकला जैसे ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना गौरव की बात है।

# बिजली जीवन का अहम अंग, इसकी साइबर सुरक्षा के प्रति अलर्ट रहना आवश्यक : एमडी श्री शुक्ला

## 7वीं वेस्टर्न रीजन साइबर सिक्योरिटी को-ऑर्डिनेशन फोरम की बैठक आयोजित

## प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने की अध्यक्षता

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय, डंगनिया स्थित राज्य भार प्रेषण केंद्र में राष्ट्रीय स्तर की 7वीं वेस्टर्न रीजन साइबर सिक्योरिटी को-ऑर्डिनेशन फोरम की बैठक 8 अप्रैल को आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा किया गया।



इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानव जीवन में पहले पंचतत्व—भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर—को महत्वपूर्ण माना जाता था, किंतु वर्तमान समय में बिजली को छठवां तत्व माना जा सकता है, क्योंकि इसके बिना विकास और सुख-सुविधाओं की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली के उत्पादन से लेकर पारेषण एवं वितरण तक पूरा तंत्र कंप्यूटरीकृत प्रणाली पर ऑपरेट होता है, ऐसे में साइबर हमलों के प्रति सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। दो दिवसीय बैठक के उद्घाटन सत्र में मुख्य अभियंता (लोड डिस्पैच) श्रीमती शारदा सोनवानी ने स्वागत भाषण दिया। प्रथम दिवस में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए साइबर सुरक्षा से बचाव के लिए केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुपालन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में ग्रिड इंडिया के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री टी. श्रीनिवास ने कहा कि वर्तमान में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ऑनलाइन प्रणाली पर संचालित हो रही है, ऐसे में पूरे तंत्र की साइबर सुरक्षा, उसकी मॉनिटरिंग एवं फॉलो-अप अत्यंत आवश्यक है। वहीं, डब्ल्यूआरएलडीसी के श्री सत्येंद्र रघुवंशी ने कहा कि साइबर स्वच्छता हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। इसके लिए सभी राज्यों को अपने डेटा को सुरक्षित रखते हुए निर्धारित मानकों एवं गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करना चाहिए।

बैठक में छत्तीसगढ़ सहित महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, गोवा, दमन एवं दीव के राज्य भार प्रेषण केंद्रों के वरिष्ठ अधिकारी भी आनलाइन व प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए।

एनआईटी रायपुर के प्रोफेसर डॉ. सुभोजीत घोष द्वारा पॉवर सेक्टर में साइबर सुरक्षा सुदृढ़ीकरण पर विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर श्री शेखर गुप्ता, श्री संजय चौधरी, कार्यपालन अभियंता श्री मनोज आटवे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# एनआईटी रायपुर को अनुसंधान केन्द्र के लिए एक करोड़ का अनुदान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत नवीन पहल करते हुए रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक बड़ी राशि अनुग्रहित करने का फैसला किया गया। एनआईटी. रायपुर द्वारा प्रस्तावित ग्रिड grid research, intelligence and diagnostic centre अनुसंधान केन्द्र के लिए सहायता राशि की मांग की गई थी। जिसे कंपनी प्रबंधन ने सीएसआर. फंड से इस कार्य हेतु स्वीकृति दी गई।




पॉवर कंपनी के अध्यक्ष ट्रांसमिशन (आईएएस) श्री सुबोध सिंह एवं डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष (आईएएस) डॉ. रोहित यादव के अनुशंसा में इस परियोजना के लिए प्रारंभिक राशि प्रदान की गई। इस तारतम्य में प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री आर.के.शुक्ला द्वारा एनआईटी. के डॉयरेक्टर श्री एन.व्ही. रामनाराव को स्वीकृति एवं आवंटन पत्र प्रदान किया गया। इस कार्य हेतु ट्रांसमिशन कंपनी ने एक करोड़ रू. सीएसआर मद से एनआईटी. रायपुर को देने का फैसला किया। श्री शुक्ला ने बताया कि यह सेंटर राज्य स्तरीय का पहला केन्द्र होगा जो छत्तीसगढ़ में विद्युत क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग, कौशल विकास, परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए होगा। इस परियोजना से राज्य में एक स्थायी तकनीकी संरचना का निर्माण होगा।

इस अनुसंधान केन्द्र की मुख्य विशेषता यह होगी कि इस केन्द्र में उन्नत इलेक्ट्रिकल परीक्षण की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जो कि एनएबीएल. मान्यता प्राप्त रहेगी। स्मार्ट ग्रिड विश्लेषण और तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में यह कार्य करेगा। अभियंताओं, टेक्नीशियन और छात्राओं के लिए यहां अलग-अलग ट्रेनिंग प्रोग्राम होंगे, जिससे कौशल विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी बनेगा। इस कार्यक्रम में सीएसपीटीसीएल से मुख्य अभियंता मानव संसाधन श्रीमती रश्मि वर्मा, कंपनी सेक्रेटरी श्री अरूण मिश्रा, एनआईटी से प्रोफेसर श्रीमती अर्चना शर्मा, श्री एन.डी. लोंधे, डॉ. के. चन्द्रशेखरन एवं डॉ. राम्या सेल्वाराज उपस्थित थे।

# राजधानी में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए 132 केवी का नया सब-स्टेशन ऊर्जीकृत



रायपुर के मेटलपार्क सिलतरा में 132/33 केवी के नए उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है, जिसकी क्षमता 126 एमवीए है। इसे 26 मार्च को ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया। इस क्षमता विस्तार से उरला-सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र सहित राजधानी के घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो सकेगी।

इस अवसर पर श्री शुक्ला ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के निर्देशन में प्रदेश में पारेषण नेटवर्क को मजबूत बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसमें राजधानी में पूंजीगत निवेश के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। इसी के तहत मेटल पार्क रायपुर में 132/33 के.वी. के नए की स्थापना की गई है, जिसमें 63-63 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इसकी अनुमानित लागत लगभग 28 करोड़ रुपए है। इस उपकेंद्र से 33 केवी के आठ फीडर में बिजली सप्लाई हो रही है। इससे ट्रांसपोर्ट नगर, कैलाश नगर, रावाँभाटा, बंजारी मंदिर के पीछे का क्षेत्र, अकबर बाड़ी, बिलासपुर रोड धनेली निमोरा अछोली, मेटल पार्क आरटीओ के पीछे, बीरगांव तालाब के पास का क्षेत्र तथा ऊरकुरा सहित औद्योगिक क्षेत्र (उरला एवं रावांभाटा) के घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ प्राप्त होगा।इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, संजय पटेल, एमएस चौहान, वीके दीक्षित, मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीज, प्रसन्ना गोसावी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि से राजधानी के उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी, साथ ही औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

## दुर्ग के सेमरिया में सौ करोड़ की लागत से बना 132 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत

दुर्ग जिले के लिटिया सेमरिया (धमधा) में 132 केवी के नए उपकेंद्र का निर्माण किया गया है, जिसकी कुल क्षमता 160 एमवीए है। इस उपकेंद्र का ऊर्जीकरण ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 27 मार्च को बटन दबाकर किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, श्री एस. सेलट, मुख्य अभियंता सर्वश्री एएम. परियल, अब्राहम वर्गीज, प्रसन्ना गोसावी, एडिशनल सीई पी.पी. सिंह, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, आरके मिश्रा, पीके गढ़ेवाल श्री राजेश तिवारी, श्री राजेंद्र कुमार मिश्रा, श्री एस.के. भुआर्य, कार्यपालन अभियंता श्री धर्मेंद्र भारती, श्री छगन शर्मा, श्री डी.के. साहू, श्रीमती बरखा दुबे, श्री एस. सिन्नी, श्री सिद्धार्थ भावसार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस क्षमता विस्तार से दुर्ग एवं धमधा विकासखंड के 150 से अधिक गांवों के विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। लिटिया–सेमरिया उपकेंद्र में 132/33 केवी के स्तर पर 40-40 एमवीए क्षमता के दो पॉवर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए गए हैं। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 100 करोड़ रुपए है। इस उपकेंद्र से 33 केवी के 6 फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाएगी।





## 132/33 केवी उपकेंद्र बागबाहरा की क्षमता वृद्धि से ओवरलोड की समस्या से राहत



132/33 केवी उपकेंद्र बागबाहरा में स्थापित 40 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थान पर नवीन 63 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर का 22 फरवरी को सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया गया। यह इस उपकेंद्र का दूसरा 63 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर है। यह कार्य मात्र दो माह में पूर्ण किया गया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में उपकेंद्र में 63 एमवीए एवं 40 एमवीए के ट्रांसफार्मर स्थापित थे, जिनकी कुल क्षमता 103 एमवीए थी। 40 एमवीए ट्रांसफार्मर के स्थान पर 63 एमवीए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाने के पश्चात अब उपकेंद्र की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 126 एमवीए हो गई है।

गत वर्ष पीक लोड सीजन के दौरान उपकेंद्र पर लगभग 90 एमवीए तक लोड दर्ज किया गया था, जिसके कारण ओवरलोड की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। नवीन ट्रांसफार्मर के समावेश से अब ओवरलोड की समस्या से राहत मिलेगी तथा विद्युत आपूर्ति अधिक स्थिर एवं गुणवत्तापूर्ण हो सकेगी।

बागबाहरा उपकेंद्र में 132 केवी परसवानी लाइन एवं 132 केवी झलप लाइन से आपूर्ति प्राप्त होती है तथा 33 केवी के नौ फीडरों—बागबाहरा (महासमुंद), टेमरी, सुनसुनिया, गोयनबहरा, टाउन, तेंदुकोना, मुंगसेर एवं खलारी—के माध्यम से 150 से अधिक गांवों में विद्युत आपूर्ति की जाती है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अब्राहम वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता श्री वाय.के. मनहर, श्री पी.के. गढ़ेवाल, श्री धनेश देवांगन, कार्यपालन अभियंता श्री प्रशांत साहू, श्री विंध्याचल गुप्ता, सहायक अभियंता श्री प्रदीप साहू, सुश्री लता जगत, श्री नारायण प्रसाद लोधी एवं श्री दीपक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि से क्षेत्र के कृषकों एवं उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा ग्रामीण अंचलों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।






"अति उच्चदाब सब-स्टेशनों की क्षमता वृद्धि, प्रदेश की विद्युत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे छत्तीसगढ़ के शहरों से लेकर गांवों और मैदानों से लेकर वनांचल तक गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे ये प्रयास राज्य के समग्र विकास को नई गति प्रदान कर रहे हैं।

इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई।"

**श्री सुबोध कुमार सिंह**
चेयरमेन
(ट्रांसमिशन)

## उदयपुर उपकेन्द्र में 40 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत

132 केवी उपकेन्द्र उदयपुर में राशि 6.15 करोड़ रूपये की लागत से 40 एम.व्ही.ए. क्षमता का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। विद्युत कंपनी के विशेष प्रयासों से विद्युत विकास के लिए स्वीकृत इस कार्य से उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले उपभोक्ताओं को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा अब उन्हे उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होगी।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर.के.शुक्ला ने स्वीच दबाकर नये ट्रांसफार्मर के माध्यम से विद्युत सप्लाई प्रारंभ की। इस अवसर पर उन्होने कहा कि उदयपुर उपकेन्द्र में अतिरिक्त 40 एमवीए क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से उदयपुर तथा लखनपुर विकासखण्ड के लगभग 168 गांवों के 35000 उपभोक्ताओं को अनवरत एवं उच्च गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति होगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.बी.एस.कंवर, श्री रवि चन्द्राकर, श्री डी.एस.पटेल, श्री के.एन.सिंह कार्यपालन अभियंता श्री ललित भगत, श्री जी.आर.जायसवाल, श्री बी.के.टोप्पो, श्री अजय कंवर, श्री रोशन नागवंशी सहायक अभियंता श्री आशीष सोनी, श्री कैलाश सिंह कनिष्ठ अभियंता श्री किशोर सिदार, श्री नीरज सिंह, पूजा सिंह, श्री तेजस, श्री शकील अहमद, श्री राजेन्द्र राजवाड़े एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## छूरीखुर्द 132 केवी उपकेंद्र में 40 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बेहतर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिउच्चदाब उपकेंद्रों में निरंतर क्षमता विस्तार का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में छूरीखुर्द 132 केवी उपकेंद्र में 40 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर 28 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 4.31 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण इस कार्य से क्षेत्र की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

इस ट्रांसफार्मर के शुरू होने से कोरबा जिले के कटघोरा-पाली स्थित छुरीखुर्द 132 केवी उपकेंद्र से जुड़े करीब 50 गांवों के उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच दबाकर ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही. बी.एस. कंवर, श्री रवि चंद्राकर, श्री डी.एस. पटेल, कार्यपालन अभियंता श्री एस.सी. भगत, श्री नवीन केरकेट्टा, श्री प्रवीण कुमार ठाकुर, श्री अजय कंवर, श्री जी.आर. जायसवाल, सहायक अभियंता श्री असीम मिश्रा, श्री विजय पाले, श्री बसंत टोप्पो सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## एनएमडीसी बचेली एवं किरंदुल में अब विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा दक्षिण बस्तर स्थित एनएमडीसी बचेली एवं किरंदुल के लिए रिकार्ड समय मे 132 केवी विद्युत प्रणाली की लाइन तैयार कर 20 अप्रैल को ऊर्जीकृत किया गया। जिसमें एनएमडीसी की विस्तार परियोजनाओं के लिए किरंदुल एवं बचेली हेतु विद्युत आपूर्ति होगी। इस कार्य में सीएसपीटीसीएल द्वारा पृथक-पृथक 132 केवी विद्युत प्रणाली की लाइन का चुनौतीपूर्ण कार्य रिकार्ड समय मे पूर्ण करने का कीर्तिमान रचा गया। इस कार्य से एनएमडीसी की मेगा परियोजनाओं किरदुल में स्क्रीनिंग प्लांट- lll एवं बचेली में स्लरी पाईप लाईन को विद्युत आपूर्ति लक्ष्य से पूर्व प्रारंभ की जा सकी। इस कठिन कार्य को समय पर पूर्ण करने हेतु ट्रांसमिशन कपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर. के. शुक्ला ने टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी। 132 केवी पारेषण प्रणाली के विस्तार हेतु किरंदुल में लगभग 1.86 किमी. एवं बचेली में लगभग 2.8 कि.मी. नयी लाइन की स्थापना की गई। इस कार्य में किरंदुल एवं बचेली में कमशः 08 एवं 14 विशालकाय टॉवर की स्थापना कर एनएमडीसी को 132 केवी में विद्युत आपूर्ति की है, जिससे नगरनार स्थित स्लरी पाइपलाइन प्रोजेक्ट शीघ्र प्रारंभ हो सकेगा।यह कार्य कार्यपालक निदेशक लाइन श्री संजय पटेल एवं उनके अधीनस्थ मैदानी अमले द्वारा संचालित किया गया।

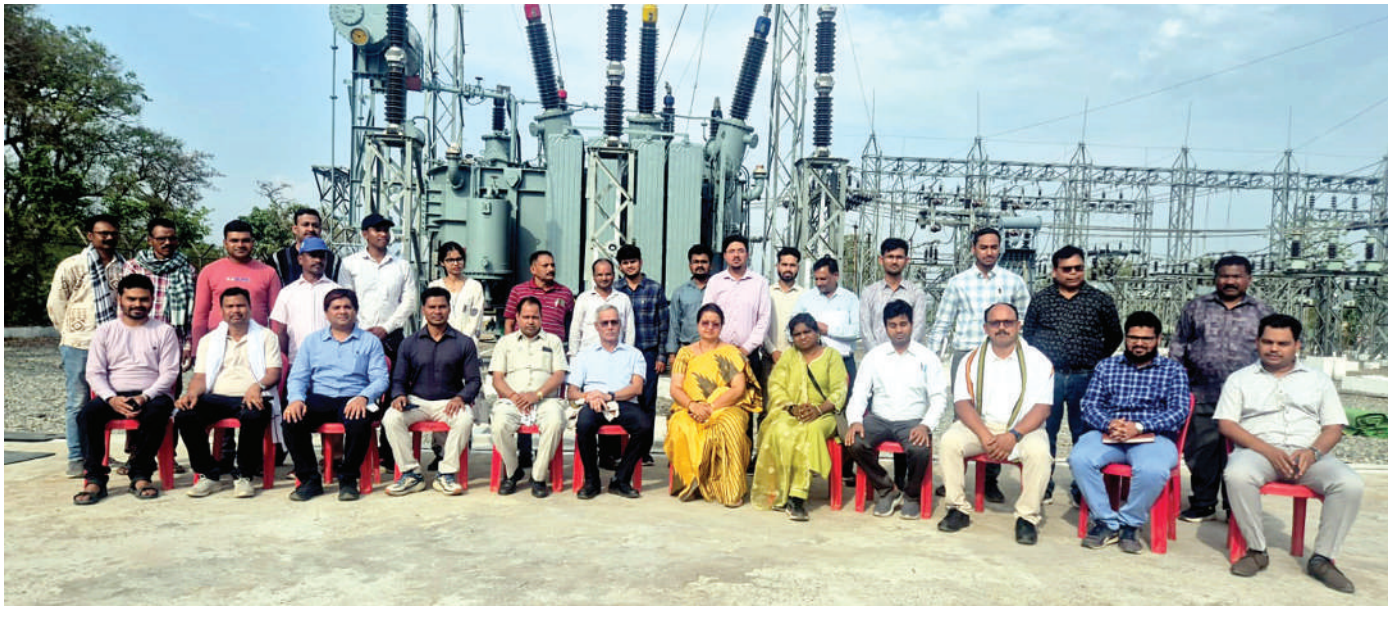

# अनवरत् विद्युत विकास

**रायपुर**

मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत रायपुर शहर की विद्युत वितरण व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। रायपुर शहर के मध्य संभाग अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र रजबंधा में 8 एमवीए के एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीमसिंह कंवर के निर्देशन में 25 मार्च को चार्ज किया गया। 33/11 केवी रजबंधा सबस्टेशन में 5 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता को बढ़ा कर 8 एमवीए की गई। इस अपग्रेडेशन के साथ ही रजबंधा उपकेन्द्र की कुल क्षमता 10 एमवीए से बढ़कर 13 एमवीए हो गई है।

इस कार्य को पूर्ण करने में कुल 90 लाख रूपये की लागत आई। क्षमता वृद्धि से जयस्तंभ चौक, मौहदापारा, रविभवन, रजबंधा क्षेत्र के लगभग दो हजार से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। गर्मी के मौसम में बढ़ने वाले लोड को देखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया जिससे घरेलू एवं व्यवसायिक उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति होगी। इस



अवसर पर रजबंधा क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए समाधान शिविर भी लगाया गया जिसमें 32,237 रूपये की छूट बकायादारों को प्राप्त हुई।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट) श्री एम.जामुलकर, मुख्य अभियंता रायपुर शहर एवं ग्रामीण श्री संजीव सिंह, अधीक्षण अभियंता श्री चंद्रहास मरकाम, कार्यपालन अभियंता श्री आशीष अग्निहोत्री, श्री विनय चंद्राकर, श्री अविनाश न्यूडिंग, श्री रोशन देवांगन, श्री एम.एम. चंद्राकर, श्री प्रवीण शर्मा उपस्थित थे।

**दुर्ग-पदुमनगर**



दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 केवी . विद्युत उपकेंद्र पदुमनगर, भिलाई-चरोदा जोन में 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर 8 अक्टूबर 2025 को लगाया गया है। पूर्व से स्थापित 5 एमवीए के ट्रांसफार्मर को मिलाकर उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 10 एमवीए हो गई है। इस कार्य से 9465 उपभोक्ताओं लाभान्वित होंगे। दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल ने इस कार्य के लिए अधीक्षण अभियंता श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री डी.के.भारती, श्री एस.के.राय एवं श्री टी.एन. बंछोर, सहायक अभियंता श्री डी.के.साहू, श्री मुकेश कुमार लहरे एवं श्रीमती मोनिका नायर को बधाई दी।

**रहटादाह**



दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र रहटादाह धमधा में 16 सितम्बर 2025 को 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर लगाया गया है। अब उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 10 एमवीए हो गई है। इस कार्य को 46 लाख 65 हजार रुपए की लागत से संपन्न किया गया। विद्युत उपकेंद्र में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमतावृद्धि से ग्राम रहटादाह, गोबरा, पेण्ड्री, नंदेली, नंदवाय, सिरनाभाठा, भरनी, देवरी एवं भिंभोरी के उपभोक्ता एवं किसान लाभान्वित हुए। इस अवसर पर श्री संजय खंडेलवाल ने अधीक्षण अभियंता श्री आर.के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता श्री डी.के.भारती, श्री पी.के. पलसोकर एवं श्री टी.एल. सहारे, सहायक अभियंता श्री डी.के.साहू एवं श्री डी.के. गजपाल को बधाई दी।

## दुर्ग



दुर्ग क्षेत्र मे 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र(सबस्टेशन) कर्मचारी नगर की क्षमता मै महत्वपूर्ण वृद्धि की है। उपकेंद्र में 65.99 लाख रुपये की लागत से 3.15 एमवीए का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिसे 12 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया।

इस अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के लगने से उपकेंद्र की कुल क्षमता 10 एमवीए से बढ़कर 13.15 एमवीए हो गई है। इस कार्य से आईएचएसडीपी कॉलोनी, जयंती नगर, साईं नगर, सिकोला भाटा, सिकोला बस्ती, मुखर्जी नगर, प्रेम नगर, विजय नगर, मोहन नगर, करहीडीह एवं रांका के लगभग 4000 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल ,अधीक्षण अभियंता श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता एस.के.रॉय एवं श्री आर.के.दानी सहित सहायक अभियंताओं श्रीमती मोनिका नायर, श्रीमती रुचि सैलेट, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्री ढालेश्वर साहू एवं श्री महेन्द्र कुमार साहू उपस्थित थे।

## सुपेला



दुर्ग क्षेत्र के सुपेला जोन के अंतर्गत 33/11 केवी . प्रियदर्शिनी परिसर सब-स्टेशन में 31 दिसंबर 2025 को 5 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया।

इस कार्य मे 99 लाख 92 हजार रूपए की लागत आई। इस उपकेन्द्र में पूर्व में ही 5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर कार्य कर रहे थे। अब तीसरे ट्रांसफार्मर की स्थापना के बाद सब-स्टेशन की कुल क्षमता बढ़कर 15 एमवीए हो गई है।

ट्रांसफार्मर की स्थापना से प्रियदर्शिनी परिसर, दक्षिण गंगोत्री, आकाश गंगा, संजय नगर, कोसा नगर, राधिका नगर, सुपेला तथा आसपास के क्षेत्रों के लगभग 6 हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एसबी खंडेलवाल ,अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. रॉय, श्री डी.के.भारती, श्री नवीन कुमार राठी, श्रीमती दुर्गेश नंदिनी सहित सहायक अभियंताओं श्री दिनेश कुमार गुप्ता, श्री डी.के.साहू, श्रीमती मोनिका नायर, श्रीमती रुचि दवे उपस्थित थे।

## रामपुर



कबीरधाम जिलें के ग्राम रामपुर में 10 सितम्बर 2025 को 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। रामपुर उपकेन्द्र की पॉवर क्षमता 8.15 एमवीए से बढ़कर 11.30 एमवीए हो गया है।

इस अवसर पर कवर्धा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री जी. एस. फ्लोरा, ईई एस.टी.एम. श्री एम. के. आर्या, सहायक अभियंता श्री मनीष साहू, श्री सुनील गुप्ता, श्री यशवंत कुमार ध्रुव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

कार्यपालन अभियंता श्री जी. एस. फ्लोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत रामपुर उपकेन्द्र में 49.14 लाख रूपये की लागत से स्थापित नये 3.15 एमवीए का अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 11 ग्राम रामपुर, गेंदपुर, दानीघाटोली, उलट, बगदाई, अमलीडीह, रुसे, बंधी, बैंजी, भटकुंडेरा एवं खैरा के 2840 उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा।

## छुईखदान



खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला के ग्राम झुरानदी स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए का अतिरिक्त नया पॉवर ट्रांसफॉर्मर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा 12 सितम्बर 2025 को ऊर्जीकृत किया गया।

इस योजना के तहत 73 लाख रूपये की लागत से 3.15 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर के लगाये जाने से अब क्षमता बढ़कर 8.15 एमवीए हो गई है। सबस्टेशन झुरानदी में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से 17 ग्रामों के 7801 उपभोक्ता एवं किसानों को फायदा होगा।

श्री सेलट ने अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त श्री शंकेश्वर कंवर, ईई परियोजना श्री मुकेश कुमार साहू, ईई खैरागढ़ संभाग श्री ए.के. द्विवेदी, ईई एसटीएम श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री एस.पी. ठाकुर, सुश्री मदलसा विश्वकर्मा, सुश्री ममता कर्मकार अन्य अधिकारी एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

## दुर्ग



कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल के मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद के कुशल निर्देशन में 20 फरवरी 2026 को 33/11 केवी दुर्ग टाउन सब-स्टेशन में स्थापित 01 नग 5 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 8 एमवीए कर दी गई ।

इस अपग्रेडेशन के साथ ही दुर्ग टाउन उपकेंद्र की कुल क्षमता 15 एमवीए से बढ़कर अब 18 एमवीए हो गई है। इस कार्य को पूर्ण करने में कुल 89.79 लाख रुपये की लागत आई है। क्षमता वृद्धि होने से लगभग 8246 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

सफलतापूर्वक चार्जिंग और ऊर्जीकरण के समय कार्यपालन अभियंता श्री धर्मेंद्र भारती, श्रीमती दुर्गेश नंदिनी देवांगन एवं श्री आर.के. दानी, सहायक अभियंता सर्वश्री राजेंद्र गिरी गोस्वामी, ढालेश्वर प्रसाद साहू, आलोक साहू, रुचि दवे, कनिष्ठ अभियंता श्री गोपाल वर्मा सहित एसटीएम एवं एचटी मेंटेनेंस के समस्त तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## कवर्धा



ग्राम सबराटोला स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर 24 दिसम्बर 2025 को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस योजना के तहत 50 लाख रूपये की लागत से कवर्धा संभाग के ग्राम सबराटोला मे विद्यमान उपकेन्द्र की पॉवर क्षमता पहले 08.15 एमवीए था, अब पॉवर क्षमता बढ़कर 11.30 एमवीए हो गया है।

उपकेन्द्र सबराटोला में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से 16 ग्रामों यथा, रंजीतपुर, रेंगाटोला, पटपर, टाटीकसा, वीरेंद्र नगर, दरगांव, दरीगंवा, नवाघटा, नघटा, सबराटोला, आमगांव, धनगांव, जमगांव, दलसाटोला, देहांडी, डीहखार के 2310 उपभोक्ता एवं किसानों को लाभ होगा। इस अवसर पर श्री रंजीत घोष, ईई परियोजना श्री आर. के. गोस्वामी, ईई कवर्धा संभाग श्री जी. एस. फ्लोरा, ईई एसटीएम श्री एम.के. आर्या, सहायक अभियंता श्री मनीष साहू, श्री यशवंत ध्रुव, श्री रविन्द्र सिंह उपस्थित थे ।




## अम्बागढ़ चौकी

अन्तर्गत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ जिले के अन्तर्गत नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी में विद्यमान 33/11 केवी उपकेन्द्र में 1.48 करोड़ रूपये की लागत से 05 एमवीए के लिए नये स्ट्रक्चर निर्माण के साथ 3.15 एमवीए के अतिरिक्त नए पॉवर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर 7 जनवरी 2026 को ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दिलीप वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष, श्री अनिल माणिकपुरी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष, श्री पवन गुप्ता, श्री गुलाब गोस्वामी, श्री राजेश सिंगी, श्री विनोद डहरिया,, श्री ढाल सिंह कौशिक,, श्री देव कुम्भकार, श्री दिलीप कुम्भकार, कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट, कार्यपालक निदेशक प्रोजेक्ट रायपुर श्री एम जामुलकर, अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त श्री शंकेश्वर कंवर, ईई मोहला संभाग श्री एके रामटेके, ईई परियोजना श्री मुकेश कुमार साहू, ईई एसटीएम श्री एडी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री बीके कुर्रे, श्रीमती श्वेता वर्मा, श्री दिलीप साहू उपस्थित रहे।

कार्य को 1.48 करोड़ रूपये की लागत से पूर्ण किया गया है। इस उपकेन्द्र की पॉवर क्षमता 08.15 एमवीए से बढ़कर 11.30 एमवीए हो गया है। इस कार्य से 13,560 उपभोक्ता तथा 52 ग्रामों के रहवासियों को लाभ मिलेगा।

## पाटन

दुर्ग क्षेत्र के विद्युत अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करते हुए 22 अप्रैल 2026 को पाटन विद्युत संभाग के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण स्थानों पर नए पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक चार्ज किए गए। पाटन वितरण केंद्र के 33/11 केवी उपकेंद्र फुंडा और जामगांव (टी) वितरण केंद्र के 33/11 केवी उपकेंद्र घुघवा में 3.15 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए। इन दोनों उपकेंद्रों में पहले से ही 3.15 एमवीए के ट्रांसफार्मर स्थापित थे, जिनमें अब अतिरिक्त क्षमता विस्तार किया गया है। उक्त दोनों उपकेंद्रों में स्थापित हुए अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र) श्री संजय खंडेलवाल द्वारा ऊर्जीकृत किया गया, जिससे दोनों उपकेंद्रों की क्षमता बढ़कर 6.30 एमवीए हो गई है। ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने की प्रक्रिया अधीक्षण अभियंता (दुर्ग वृत्त) श्री आर.के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता श्री बी.पी. दीपक, श्री धर्मेन्द्र भारती एवं श्री एस.के. राय की उपस्थिति में संपन्न हुई। सहायक अभियंता श्री दुजेंद्र गजपाल, श्री कमलेश साहू, श्री डी.के. साहू एवं अन्य तकनीकी स्टाफ ने इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने में सक्रिय योगदान दिया।



## दुर्ग-विराटनगर

बोरसी जोन के 33/11 केवी विराट नगर उपकेंद्र में 24 अप्रैल 2026 को नया पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। बढ़ते विद्युत भार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से 61 लाख 91 हजार रुपये की लागत से 3.15 एमवीए क्षमता का यह अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इस विस्तार के साथ ही उपकेंद्र की कुल क्षमता अब बढ़कर 13.15 एमवीए हो गई है, जहाँ पहले से 05 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर स्थापित थे। ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण के दौरान मुख्य रूप से अधीक्षण अभियंता श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद और कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. दानी, श्री धर्मेंद्र कुमार भारती, श्रीमती दुर्गेश नंदिनी, सहायक अभियंता श्री राजेंद्र गिरी गोस्वामी, श्री डिलेन्द्र कुमार देशमुख, श्री डी.के.साहू, श्री राहूल सिंह, श्री महेश्वर टंडन, श्रीमती रुचि सेलेट एवं श्रीमती मोनिका नायर सहित तकनीकी कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम भविष्य की जरूरतों और शहरी विस्तार को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।



## बघेरा



दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र बघेरा में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि की गई है। विद्युत उपकेन्द्र बघेरा में अब 3.15 एमवीए के स्थान पर 5 एमवीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इसके साथ ही उपकेंद्र मे पूर्व से स्थापित 5 एमवीए के दो अन्य ट्रांसफार्मरों को मिलाकर उपकेंद्र की कुल क्षमता बढ़कर अब 15 एमवीए हो गई है। ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि से विद्युत उपकेंद्र बघेरा के लगभग 6556 उपभोक्ताओं को गुणवत्ता बिजली मिलेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल, अधीक्षण अभियंता श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री डी.के.भारती, श्री आर.के.दानी एवं श्री एस.के.राय, सहायक अभियंता श्री डी.के.साहू, श्रीमती मोनिका नायर, श्रीमती रूचि दवे, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्री गोपाल वर्मा एवं श्रीमती अंजू देसाई उपस्थित थी।

**पॉवर कंपनीज और बैंक के बीच अनुबंध...**

# कर्मचारियों को बड़ा तोहफा: SBI के साथ समझौते से 1.60 करोड़ तक बीमा और प्रीमियम सुविधाएं

## कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत बैंकिंग, इंश्योरेंस और लाइफस्टाइल बेनिफिट्स का मिलेगा लाभ

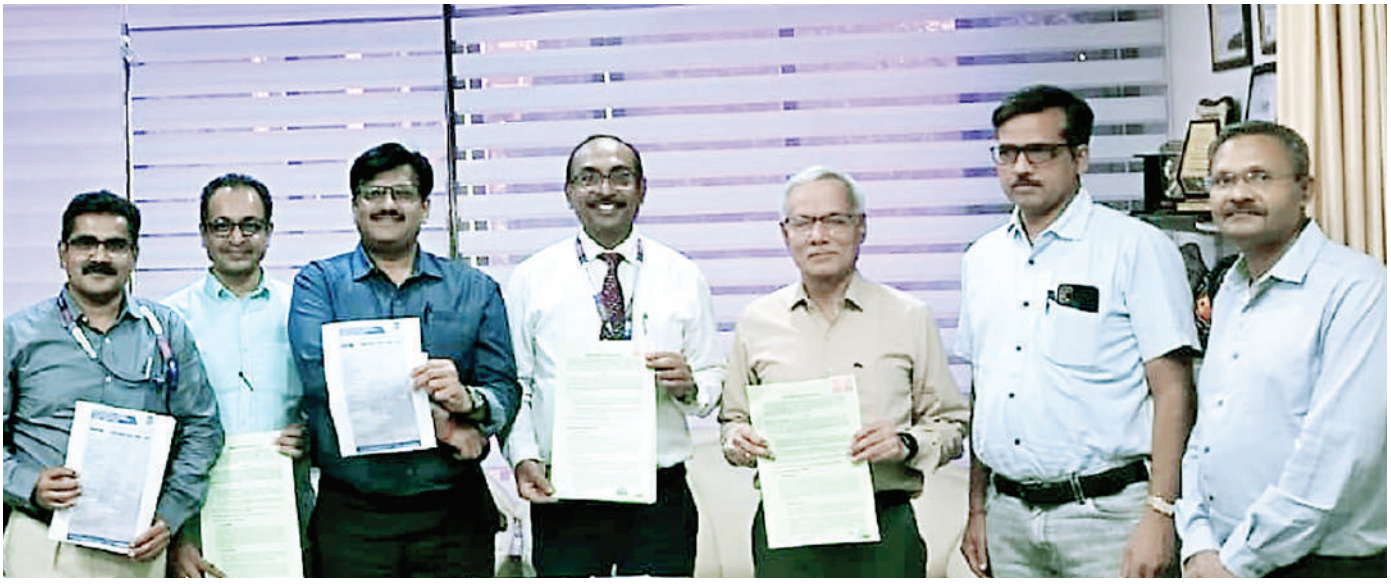

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (CSPTCL) ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज (CSP) के तहत एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस पहल से कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उन्नत बैंकिंग सुविधाओं के साथ व्यापक बीमा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। यह अनुबंध ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में किया गया।

**एस.बी.आई. पैकेज**

इस योजना के अंतर्गत कर्मचारियों को एक करोड़ रुपए तक का पर्सनल एक्सीडेंट बीमा, एक करोड़ 60 लाख रुपए तक का एयर एक्सीडेंट बीमा, एक करोड़ तक का स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर तथा 80 लाख रुपए तक का आंशिक विकलांगता कवर मिलेगा। इसके अतिरिक्त एसबीआई के रूपे डेबिट कार्ड के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का पर्सनल एक्सीडेंट कवर तथा श्रेणी के अनुसार 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक का एयर एक्सीडेंट बीमा भी उपलब्ध होगा। बैंकिंग सुविधाओं में कर्मचारियों को न्यूनतम बैलेंस की अनिवार्यता से छूट, निःशुल्क इंटरनेट बैंकिंग, एसबीआई एटीएम पर अनलिमिटेड ट्रांजैक्शन, आरटीजीएस एवं एनईएफटी शुल्क में रियायत तथा लॉकर किराए में छूट जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

साथ ही, विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कर्मचारियों को अमेजन प्राइम सदस्यता, यात्रा एवं मनोरंजन से जुड़े ऑफर, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस तथा चयनित श्रेणियों में जिम, स्पा एवं अन्य लाइफस्टाइल सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। कंपनी प्रबंधन ने सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए संबंधित एसबीआई शाखा से संपर्क करें और अपना खाता इस योजना में बदलने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करें। इस अवसर पर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एमएस चौहान, छत्तीसगढ़ स्टेट जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (वित्त) संदीप मोदी, ट्रांसमिशन कंपनी के एजीएम श्री मुकेश कश्यप, एसबीआई के डीजीएम श्री राकेश कुमार सिन्हा एवं असिस्टेंट जीएम श्री राम विनोद सिंह उपस्थित थे।

## जनरेशन कंपनी और भारतीय स्टेट बैंक के बीच अनुबंध, विद्युत कर्मचारियों के लिए आकर्षक पैकेज

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी अपने नियमित कर्मचारियों के लिए उन्नत बैंक सुविधाओं और बीमा सुविधा का संयुक्त सौगात लेकर आए हैं जिसमें कर्मचारियों को इन सुविधाओं के लिए अलग से अतरिक्त प्रीमियम नहीं देना होगा। जनरेशन कंपनी ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ कॉरपोरेट सैलरी पैकेज का अनुबंध करार किया है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालक निदेशक (वित्त) जनरेशन श्री संदीप मोदी ने बताया कि प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों के सुरक्षा, सुविधा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए यह महत्वपूर्ण कदम लिया है। कॉरपोरेट सैलरी पैकेज के तहत कर्मचारी बैंकिंग की आधुनिक सुविधाओ का लाभ एक क्लिक से ले सकेंगे। श्री मोदी का कहना है कि बैंकों का चयन पूर्णतः कर्मियों के अधिकार क्षेत्र में है। हम केवल कर्मियों के लिए सर्वाधिक सुविधा युक्त बैंक का विकल्प दे रहे हैं, जिसका लाभ सभी को मिल सके। यह अनुबंध कर्मचारियों के साथ उनका परिवार के लिए भी सुरक्षा कवच साबित होगा।



# जनरेशन कंपनी और बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच एमओयू



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी एवं बैंक आफ बड़ौदा के बीच 2 मार्च को अनुबंध करार किया गया। यह अनुबंध नियमित कर्मचारियों के लिए सैलरी पैकेज के साथ उन्नत बैंकिंग सुविधाए और ज्यादा कवरेज के लिए किया गया है। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस के कटियार और बैंक आफ बड़ौदा के श्री देवाकर के बीच ज्ञापन हस्ताक्षर कर सौंपा गया।

इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के महाप्रबंधक वित्त श्रीमती नंदनी भट्टाचार्य, अतिरिक्त महाप्रबंधक वित्त श्री सौमित्र दुबे, अतिरिक्त महाप्रबंधक वित्त श्री ए के चंद्राकर, उपमहाप्रबंधक वित्त श्री अजय शर्मा एवं बैंक ऑफ बड़ौदा से श्री पंकज उपस्थित थे।

# बैंक सुविधाओं के साथ अब करोड़ों का बीमा कवरेज

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी एवं बैंक आफ महाराष्ट्र के बीच ट्रांसमिशन कंपनी के नियमित कर्मचारियों के लिए उन्नत सैलरी पैकेज हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री आरके शुक्ला और बैंक आफ महाराष्ट्र के जोनल मैनेजर श्री वी. वेंकटेश की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

## बैंक आफ महाराष्ट्र पैकेज

इस योजना से ट्रांसमिशन कंपनी के नियमित 1700 कर्मचारियों को अब न केवल बेहतर बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी बल्कि व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, हवाई दुर्घटना बीमा, स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर, टर्म इंश्योरेंस, गोल्डन आवर कैशलेस ट्रीटमेंट, बालिका विवाह लाभ, बच्चों की उच्च शिक्षा लाभ जैसे अतिरिक्त सुविधाएं भी प्राप्त किए जा सकेंगे।

नियमित कर्मचारियों को इस "गवर्नमेंट प्राइड सेविंग्स सैलरी स्कीम" खाते से जोड़ कर उन्हें एक ही छत के नीचे उन्नत, निःशुल्क और व्यापक बैंकिंग सुविधाएं दिया जाएगा। कंपनी के कर्मचारियों को चार श्रेणियों जैसे सिल्वर(30,000-60,000), गोल्ड (60,000-1,00,000), प्लेनिटनम



(1,00,000-1,50,000) एवं डायमंड (1,50,000 से उपर) वेतनभोगियों को श्रेणी अनुसार सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रूपये तक का टर्म इंश्योरेंस, 1 करोड़ 25 लाख रूपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर एवं हवाई दुर्घटना बीमा में 1 करोड़ रूपए का बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा स्वास्थ्य बीमा पर टाप-अप जैसी वैकल्पिक सुविधाएं रियायती दरों पर उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक वित्त श्री एमएस चौहान, अतिरिक्त महाप्रबंधक वित्त श्री मुकेश कश्यप, उपमहाप्रबंधक वित्त सुश्री अनिका मैरी खलखो, प्रबंधक वित्त श्री भूषण साहू एवं बैंक आफ महाराष्ट्र से आए जोनल मैनेजर श्री वेंकटेश एवं मुख्य प्रबंधक श्री राहुल बिकरवार उपस्थित थे।

# स्मार्ट मीटर के लिए जागरुकता अभियान में आए 72 हजार उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएं

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के निर्देशन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा 9 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक प्रदेशव्यापी "स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा" का सफल एवं व्यापक आयोजन किया गया। यह अभियान वितरण कंपनी के सभी वितरण केंद्रों, संभागीय एवं जोन कार्यालयों तथा नगरीय निकायों में समन्वित रूप से संचालित किया गया। इसमें लगभग 73 हजार उपभोक्ताओं के फीडबैक प्राप्त हुए, जिसमें उन्होंने स्मार्ट मीटर को पारदर्शी और विश्वसनीय बताया।

इस 15 दिवसीय अभियान के दौरान उपभोक्ताओं की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। इस अभियान में बस्तर से लेकर सरगुजा तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटकों, सोशल मीडिया संवाद और डिजिटल माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। "मोर बिजली" ऐप के माध्यम से कुल 72,966 बिजली उपभोक्ताओं ने अपना फीडबैक दर्ज कराया, जिनमें 52,601 स्मार्ट मीटर उपभोक्ता तथा 20,365 नॉन-स्मार्ट मीटर उपभोक्ता शामिल हैं। यह आंकड़ा उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रति उनकी सक्रियता को दर्शाता है।

फीडबैक दर्ज कराने में रायपुर शहर प्रथम स्थान पर रहा, जबकि दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे। संभागवार स्तर पर चांपा डिवीजन से सर्वाधिक 3,077 फीडबैक प्राप्त हुए। जोनवार आंकड़ों में पोंडीमार जोन (कोरबा) से 1,177 फीडबैक दर्ज किए गए, जबकि वितरण केंद्रवार सकरी (बिलासपुर) वितरण केंद्र से सर्वाधिक 757 फीडबैक प्राप्त हुए। स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा ने न केवल उपभोक्ताओं को तकनीकी रूप से जागरूक किया, बल्कि विभाग और उपभोक्ताओं के बीच संवाद और विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। यह पहल पारदर्शिता, जवाबदेही और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ द्वारा भविष्य में भी उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता देते हुए ऐसे जनहितकारी एवं







जागरूकता आधारित कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे। पखवाड़े का उद्देश्य स्मार्ट मीटर प्रणाली के प्रति उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाना, पारदर्शी एवं सटीक बिलिंग व्यवस्था की जानकारी देना तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपभोक्ता सहभागिता को सशक्त बनाना था।

अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, जनसंवाद, उपभोक्ता शिविर तथा स्थल पर तकनीकी प्रदर्शन के माध्यम से स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। उपभोक्ताओं को बताया गया कि स्मार्ट मीटर से वास्तविक समय में बिजली खपत की निगरानी संभव है, बिलिंग पूर्णतः पारदर्शी एवं सटिक होती है, ओवरलोड या अनियमितता की त्वरित सूचना मिलती है, मीटर रीडिंग की मैनुअल त्रुटियाँ समाप्त होती हैं तथा बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होता है। इसके ऑनलाइन भुगतान सुविधा, ऊर्जा बचत की आदत विकसित करने में इसकी भूमिका तथा "मोर बिजली" मोबाइल ऐप के माध्यम से खपत, बिल एवं शिकायत संबंधी जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

उपभोक्ताओं की बढ़ती सहभागिता स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली के प्रति विश्वास और तकनीकस्मार्ट मीटर पखवाड़ा के तहत उपभोक्ताओं के फीडबैक भी लिये जा रहे हैं, जिसमें काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आईं हैं। डीडीनगर रायपुर की उपभोक्ता श्रीमती सुधा उपाध्याय ने फीडबैक फार्म में बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद हमारे मोबाइल में मोर बिजली एप के जरिए हर आधे घंटे के अंतराल में हो रही खपत को देख सकते हैं। इससे मुझे अपने घर में यह पता लगा कि किस समय खपत अधिक हो रही है और उसके आधार पर अनावश्यक चल रहे बिजली उपकरणों को बंद करके बिजली बिल घटाया जा सकता है।

श्यामनगर के सोनू चंद्राकर का कहना है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह निःशुल्क लगाया गया है, इसके लिए किसी तरह का शुल्क नहीं देना होता। बंजारी नगर के श्री गुरुचरण साहू ने बताया कि इसे लगाने से समय पर रीडिंग का पता लग जाता है। समय पर बिजली बिल मिल जाता है। इसे लगाने में फायदा है।

# शरीर का बेहतर ध्यान रखकर रह सकते हैं निरोगी: कंवर

## रोबोटिक तकनीक से अब आसान हुआ नी एवं हिप रिप्लेसमेंट: डॉ. प्रतीक धाबलिया

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में एक विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन 24 अप्रैल को किया गया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर ने मनुष्य को अमूल्य जीवन प्रदान किया है और इसी शरीर के माध्यम से हम समाज व मानव सेवा के कार्य कर पाते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शरीर का उचित ध्यान रखकर ही हम निरोगी जीवन जी सकते हैं।



इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. प्रतीक धाबलिया ने बताया कि आधुनिक रोबोटिक तकनीक आधारित सर्जरी के माध्यम से घुटने एवं हिप रिप्लेसमेंट अब अधिक सटिक, सुरक्षित और आसान हो गया है। तकनीकों के उपयोग से मरीजों की रिकवरी पहले की तुलना में काफी तेज हो रही है। डॉ. धाबलिया ने यह भी बताया कि कस्टम-मेड इम्प्लांट्स और एडवांस सर्जिकल प्लानिंग के जरिए मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं, जिससे वे जल्द ही सामान्य जीवन में लौट पा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं और विशेषज्ञ से समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री आरपी नामदेव, महाप्रबंधक श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएल पंचारी, चिकित्सा सलाहकार डॉ. विवेक गोले, डा. इंदु साहू सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) गोविन्द पटेल ने किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन का समापन किया गया।

## पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया औषधालय द्वारा विद्युत कर्मियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 20 फरवरी को किया गया। इस शिविर मे तीनों कंपनियों जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन के कर्मियों ने आख,नाक एवं कान के विशेषज्ञों से परामर्श एवं जांच की सुविधा प्राप्त की।




डंगनिया औषधालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी ने बताया कि शिविर में बीपी, शुगर, हार्टरेट एवं वरिष्ठ मरीज आमतौर पर सुनने में कमी, साइनस की समस्या, गले मे संक्रमण जैसी समस्याओं के लिए परामर्श एवं जांच की सुविधाओं का लाभ लिए। विद्युत कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी, पेंशनर्स एवं आश्रित परिवारजनों को निःशुल्क परीक्षण की सुविधा प्राप्त हुई।यह शिविर में डॉ. निलिसी एवं डॉ. तोमन कन्द्रा ने सेवाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंदु साहू उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया औषधालय द्वारा विद्युत कर्मियों के लिए निःशुल्क बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) एवं न्यूरो संबंधी समस्याओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 22 अप्रैल को किया गया। इस शिविर मे तीनों कंपनियों जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन के कर्मियों ने न्यूरो एवं आर्थो के विशेषज्ञों से परामर्श एवं जांच की सुविधा प्राप्त की। डंगनिया औषधालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एच. एल. पंचारी ने बताया कि शिविर में मरीजों द्वारा हड्डी संबन्धित, सुन्नपन, पीठ या गर्दन में दर्द जैसी समस्याओं के लिए परामर्श एवं जांच की सुविधाओं का लाभ लिया गया एवं बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) हेतु निःशुल्क परामर्श एवं जांच की सुविधा प्रदान की गई। विद्युत कंपनी के अधिकारी,कर्मचारी,पेंशनर्स एवं आश्रित परिवारजनों कुल 117 लोगों को निःशुल्क परीक्षण की सुविधा प्राप्त हुई। इस शिविर में डॉ. प्रफुल्ल महाकालकर एमबीबीएस ,एम एस ए एमसीएच (न्यूरो सर्जरी) एवं डॉ.अभिषेक त्रिपाठी एमबीबीएस, एमएस (आर्थो) ने सेवाएं दी।



विद्युत संयंत्र के समीपस्थ 11 गांवों के युवाओं को दिया गया कौशल विकास का प्रशिक्षण

# निगमित पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लक्ष्यों को पूरा कर रहा है एचटीपीएस

## विद्यार्थियों के लिए सेमिनार एवं कॅरियर काउंसिलिंग आयोजित

एचटीपीएस कोरबा पश्चिम- हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम की ओर से नई परियोजना 2X660 मेगावाट विद्युत संयंत्र के समीपस्थ 11 गांवों के युवा एवं विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) की मदद से लक्ष्य के अनुरूप पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण एवं दो दिवसीय सेमिनार व कॅरियर काउंसिलिंग की गई। छग स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी निगमित पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। जनरेशन कंपनी, हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के समीपस्थ 11 गांवों में सीईआर के कार्यों को विस्तारित कर रही है।

अभी तक दो चरणों में पांच-पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया जा चुका है। साथ ही चिह्नांकित सात स्थानों पर विद्यार्थियों के लिए सेमिनार व कॅरियर काउंसिलिंग की जा चुकी है। इनमें शासकीय हाईस्कूल स्याहीमुड़ी, गोपालपुर, अयोध्यापुरी, दर्री, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुरीकला, विद्युतगृह हायर सेकंडरी स्कूल क्रमांक-दो दर्री, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल एनटीपीसी-जमनीपाली और एनटीपीसी केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-04 गोपालपुर शामिल हैं। जनरेशन कंपनी के इस अभियान से ग्राम लोतलोता, स्याहीमुड़ी, चुईया, जमनीपाली, झाबू, पंडरीपानी, नवागांव-कला, डिंडोलभाठा, बिरवट, डोडकधरी और चिरहुट के युवा एवं विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

निगमित पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के कार्यों को मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता (तकनीकी एवं सहायक सेवाएं) श्री एमके. गुप्ता के निर्देशन में प्रशिक्षण विभाग द्वारा पूरा कराया जा रहा है। साथ ही मुख्य अभियंता के मार्गदर्शन में इन कार्यों का जनमाध्यमों के जरिए सतत प्रचार-प्रसार जनसंपर्क विभाग कोरबा पश्चिम द्वारा किया जा रहा है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए क्रियान्वयन एजेंसी की भूमिका निभा रहे सिपेट-कोरबा के प्रशिक्षकों की टीम में श्री रजनीश पांडेय, श्री नीतीश कुमार, श्री संजय बदुक एवं श्री महेश तुडु शामिल हैं। प्रशिक्षकों द्वारा पांच दिवसीय






"रोजगार मूलक कौशल विकास प्रशिक्षण" के तहत प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली मशीनों की कार्यप्रणाली, रखरखाव एवं कंप्यूटर संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही सिपेट द्वारा युवाओं को आईटीआई प्रशिक्षण की तर्ज पर कन्वेंशनल मशीनिंग और कंप्यूटर न्यूमेरिक कंट्रोल मशीनिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

दो दिवसीय सेमिनार एवं कॅरियर काउंसिलिंग के तहत प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को 11वीं कक्षा के लिए विषय चयन, 12 वीं के बाद स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विषयों में विस्तार से बताया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय में जानकारी देते हुए लक्ष्य के अनुरूप तैयारी एवं व्यक्तित्व विकास के भी सुझाव दिए। इसके साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को सिपेट की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। प्लास्टिक उत्पाद निर्माण तकनीक (इंजेक्शन मोल्डिंग, ब्लो-मोल्डिंग इत्यादि) के अंतर्गत उत्पादक मशीनों की कार्यप्रणाली, रखरखाव एवं विभिन्न क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। इन कार्यक्रमों के दौरान परियोजना प्रबंधक एसके पंड्या, अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) सुमित सिंह, कार्यपालन अभियंता (प्रशिक्षण) मनोज मिश्रा, प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत एवं नई परियोजना से अन्य अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।

# उत्पादन संयंत्रों के सुरक्षा सप्ताह में सतर्कता और जागरुकता का दिया संदेश



**मड़वा-** अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 14 से 20 अप्रैल 2026 को अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया ने कहा कि विद्युत संयंत्र में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं श्रमिकों को अग्निशमन उपकरणों का उपयोग सीखना चाहिए। इससे अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने में ज्यादा मदद मिलेगी।

समारोह में वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी श्री एमके. रायकवार ने सप्ताहभर आयोजित कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। सेवा सप्ताह के पहले दिन अग्निशमन भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया द्वारा अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिकों को अग्नि सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री आलोक लकरा एवं श्री एन. लकरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अग्नि सुरक्षा से संबंधित नारा एवं निबंध प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार दिया गया। इनमें श्री ओमप्रकाश मिश्रा, डॉ. श्री विकेंद्र सिंह, श्री रूद्र कंवर, श्री महेंद्र हंसराज और श्री कौशल किशोर शामिल हैं।

**हसदेव ताप विद्युत संयंत्र-** कोरबा पश्चिम में अग्निशमन सेवा सप्ताह के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता ने पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में अग्निशमन अधिकारी श्री जीपी पनरिया ने पूरे सप्ताहभर आयोजित हुए कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के पहले दिन अग्निशमन भवन परिसर में परियोजना प्रबंधक श्री एसके पंड्या द्वारा अग्निशमन ध्वज फहराया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के कार्यक्रम मुख्य अभियंता के मार्गदर्शन में अधीक्षण अभियंता मनोज जायसवाल के समन्वय द्वारा अग्निशमन विभाग द्वारा कराए गए।



## डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में हुआ अग्निशमन सेवा सप्ताह

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसका समापन 20 अप्रैल को हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री संजीव कंसल थे। इसमें फायर एण्ड सेफ्टी की थीम सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज तथा अग्नि रोकथाम के लिए एक साथ था। अग्निशमन संबधित प्रश्नोत्तरी संरक्षा अधिकारी सुमन सोमानी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक अभियंता प्रकाश देवांगन द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) आर.पी. टण्डन द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधीक्षण अभियंता (एससी एण्ड एयूएम) जी.पी. भगत, उपअग्निशमन अधिकारी आर. एस. परस्ते, लीडिंग फायरमेन एस.के. शुक्ला, विनय नेताम का सहयोग सराहनीय रहा।



# स्वास्थ्य जागरुकता शिविर में लाभान्वित हुए ग्रामीण




हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम की ओर से ग्राम चुईया में 23 मार्च 2026 को स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एनकेएच. हॉस्पिटल, कोरबा के न्यूरो फिजिशियन डॉ. मनीष गोयल, एनकेएच. हास्पिटल के त्वचारोग विशेषज्ञ डॉ. जय बावने, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ रेणु कौशिक एवं चिकित्सा सलाहकार डॉ. एससी. खरे ने शरीर को स्वस्थ रखने के उपाय बताए। इसमें अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता, परियोजना प्रबंधक श्री एसके पंड्या सहित ग्राम के जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। शिविर में 30 ग्रामीणों ने मधुमेह की जांच कराई एवं 60 ग्रामीणों की रक्तचाप की जांच की गई। 80 ग्रामीणों को परामर्श के बाद सर्दी, खांसी, बुखार एवं जीवन रक्षक दवाइयां बांटी गईं।

**ग्राम डिंडोलभाठा -** हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम की ओर से ग्राम डिंडोलभाठा में 13 मार्च को स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एमजेएम हॉस्पिटल, कोरबा के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. प्रिंस जैन एमडी (मेडिसिन), ओजोन न्यूरो सेंटर से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना अहरवाल, एचटीपीएस कोरबा पश्चिम से शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रेणु कौशिक ने ग्रामीणों को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों की जांच की।






**नवागांव-कला -** हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम की ओर से ग्राम नवागांव-कला में 13 फरवरी को स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत भास्कर और स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. एकता चावरे द्वारा ग्रामीणों को संबोधित कर जागरूक किया गया।




चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा ग्रामवासियों को शराब व धूम्रपान छोड़ने, नियमित कसरत करते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, महिलाओं को माहवारी के दिनों में स्वच्छता के साथ सावधानी रखने, गर्भावस्था में नियमित स्वास्थ्य जांच, बच्चों को निमोनिया का टीकाकरण कराने, टीबी से बचाव एवं प्रसार रोकने के लिए मास्क के उपयोग की सलाह दी गई।

## श्री आलोक कुमार अम्बस्थ

**कार्यपालक निदेशक (बिलासपुर)**
**छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी**



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी बिलासपुर क्षेत्र में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ श्री आलोक कुमार अम्बस्थ का जन्म 21 दिसम्बर 1964 को अम्बिकापुर में हुआ। पिता का नाम स्व.श्री दिनेश्वर प्रसाद अम्बस्थ एवं माता का नाम स्व. श्रीमती मालती अम्बस्थ है। उन्होंने वर्ष 1981 मे उच्चतर माध्यमिक की पढ़ाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टीकमगढ़ एवं वर्ष 1986 मे बीई शासकीय अभियांत्रिकीय महाविद्यालय रीवा से की है। शिक्षा उपरांत वर्ष 1988 में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में कार्यालय (संधारण/सुधार) बिलासपुर, जबलपुर एवं मनेन्द्रगढ़ में पदस्थापना हुई। वर्ष 1989 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर कार्यालय टीएसजी (उपसंभाग) राजनांदगांव, चाम्पा में पदस्थ किये गए। इस पद पर कार्यालय बिलासपुर वृत्त के तखतपुर एवं बिलासपुर जोन में भी कार्यरत रहे। वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर कार्यालय (संचारण/संधारण) संभाग कोरबा, बिलासपुर, चांपा, शहर संभाग बिलासपुर-1 एवं मीटर टेस्टिंग संभाग बिलासपुर में सेवाएं देते रहे। वर्ष 2017 मे अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर कार्यालय मीटर टेस्टिंग वृत्त रायपुर, संचारण/संधारण वृत्त जांजगीर तथा रुफटॉप सोलर सेल (आर.ए.पी.एम.) रायपुर में भी सेवाएं देते रहे। वर्ष 2021 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली तथा कार्यालय कार्यपालक निदेशक (आर.ए.पी.एम.) रायपुर में पदस्थ किये गये। वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और इस पद का दायित्व प्रदान करते हुए (पी.सी.एंड आए.) ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर एवं वर्ष 2024 में मुख्य अभियंता के पद पर बिलासपुर क्षेत्र में कार्यों का निर्वहन करते रहें। वर्ष 2025 में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नति पश्चात् बिलासपुर क्षेत्र में विद्युत विकास के कार्यों का सर्वोच्च प्राथमिकता से निर्वहन कर रहे हैं। सेवाकाल के दौरान मिली सभी जिम्मेदारियों को लग्न और निष्ठा से पूर्ण करते रहें। इस सफर में कई चुनौतियां एवं कठिन परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ा। ऐसी ही उल्लेखनीय कार्य मे नए मीटर संभाग की स्थापना कार्य रहा, जिसे श्री अम्बस्थ के मार्गदर्शन में वर्ष 2010 में पूर्ण किया गया। इसी के साथ नए सोलर सेल के अर्न्तगत यूनिफाइड पोर्टल को प्रारंभ किये जाने हेतु प्रस्तावित था जिसे समय-सीमा पर पूर्ण किया गया। आरएपीएम मे पदस्थ रहते हुए पावर एक्सचेंज के माध्यम से विद्युत विक्रित कर लाभ अर्जित करने हेतु विशेष प्रयास किये गये। परिवार में पत्नी श्रीमती रुन्की अम्बस्थ ने एमएससी (भौतिकी) करने उपरांत कृष्णा पब्लिक स्कूल में प्राचार्य हैं। पुत्री अनुप्रिया अम्बस्थ खरे बीई कर बैंगलुरु में एमएनसी कंपनी में सीनियर डेवलपर है। पुत्र अनिमेष अम्बस्थ बीटेक कर प्रबंधक के पद पर बीपीसीएल आनंद गुजरात में कार्यरत है। स्वयं को फिट और एक्टिव रखने के लिए शतरंज खेलना, योगा करना और किताब पढ़ना पसंद करते है। श्री अम्बस्थ का मानना है कि कार्य के सुचारु संचालन हेतु टीम के समस्त सदस्यों द्वारा उनकी क्षमता अनुसार कार्य सम्पादित करने से कार्य सरलता एवं तीव्रता से पूर्ण होता है।

## श्री मनीष कुमार गुप्ता

**कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन)**
**छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी**



श्री मनीष कुमार गुप्ता का जन्म 31 मई 1964 को दुर्ग छत्तीसगढ़ में हुआ था। पिता का नाम श्री आर बी गुप्ता एवं माताजी का नाम श्रीमती माया गुप्ता है। पिताजी बीएसपी नंदिनी माईन्स मे कार्यरत थे एवं माताजी बीएसपी हायर सेकेन्डरी स्कूल नंदिनी माईन्स में शिक्षिका थीं। श्री गुप्ता की स्कूली शिक्षा वर्ष 1981 में गाँधी मेमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंदिनी माईन्स जिला दुर्ग से पूरी हुई । वे वर्ष 1986 में रायपुर स्थित शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय (अब एनआईटी) से बीई इलेक्ट्रिकल की उपाधि प्राप्त किये हैं।

श्री गुप्ता वर्ष 1987 से मप्र. विद्युत मंडल की सेवा में बतौर स्नातक प्रशिक्षु केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर एवं हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में नियुक्त किए गए। वर्ष 1988 में सहायक अभियंता के तौर पर उनकी पहली पदस्थापना संयंत्र कोरबा पूर्व में कार्यालय मुख्य अभियंता में की गई,जहां वे सीएचपी इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस 120 मेगावाट कोरबा पूर्व में 19 वर्षों तक कार्य करते रहे।वर्ष 2003 में सहायक अभियंता के पद पर लोड डिस्पेच सेन्टर खेदामारा में पदस्थ किये गए। वर्ष 2007 मे कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर कार्यालय मुख्य अभियंता लोड डिस्पेच ट्रांसमिशन कंपनी मे ही कार्यरत रहे। वर्ष 2014 में कार्यपालन अभियंता के पद पर क्रय एवं भंडार जनरेशन रायपुर मे पदस्थ किये गए। वर्ष 2018 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर कार्यालय मुख्य अभियंता क्रय एवं भंडार जनरेशन रायपुर मे ही सेवाएं देते रहे। यहां उन्होंने वर्ष 2017 से 2022 तक अपनी सेवाएं देते रहे। 28 दिसम्बर 2022 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरान्त मुख्य अभियंता परियोजना रायपुर कार्यालय मे पदस्थ किये गए। 21 फरवरी 2024 को मुख्य अभियंता के पद का गौरव प्राप्त हुआ और ईधन प्रबंधन कार्यालय रायपुर का कमान संभाले। 21 मार्च 2025 को कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नत हुए और कार्यालय सीपीएंडबीडी रायपुर मे सेवाएं देने का अवसर मिला। श्री गुप्ता ने सीपी एंड बीडी कार्यालय में रहते हुए "एनर्जी सम्मिट" जैसे मेगा आयोजन जनरेशन विंग मे पहली बार कराने का उल्लेखनीय कार्य और उनके द्वारा सुचारु संचालन करते हुए कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसी प्रकार राज्योत्सव में पीएसपी का माडल तैयार कर प्रदर्शनी मे प्रस्तुत किया गया। जिसे जनदर्शन से व्यापक सराहाना मिली ,जो अब सेवाभवन की शोभा बढ़ा रहा है। मप्र. विद्युत मंडल से लेकर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनीज की सेवा यात्रा में उन्हें विभिन्न विभाग मे काम करने का अवसर मिला। सभी विभागों में अपनी क्षमता एवं दक्षता अनुसार विभिन्न चुनौतियों को सूझ-बूझ के साथ निराकृत करते रहें।

परिवार मे पत्नि श्रीमती अनुपमा गुप्ता ने बीएससी एवं एमए पॉलिटिकल साईन्स की शिक्षा प्राप्त की है और पारिवारिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रही है। पुत्र श्री दिव्यांक गुप्ता बीटेक (कम्प्यूटर साइंस) एमआईटी मणिपाल यूनिवर्सिटी एवं एमएस (कम्प्यूटर साइंस) एनसीएसयू यूनिवर्सिटी यूएसए से करने उपरांत फेडैक्स कंपनी यूएसए मे पिछले 4 साल से कार्यरत है। पुत्री सृष्टि गुप्ता बी काम कर आगे अध्ययन हेतु विभिन्न प्रवेशिक परीक्षा की तैयारी कर रही है। परिवार में तीन बहने एवं 2 बहनोई डाक्टर एवं 1 बहनोई इंजीनियर है। इस प्रकार आपका पूरा परिवार जनसेवा कार्य मे अग्रसर है।

# डिजिटल सेवाओं में छत्तीसगढ़ी की बढ़ती स्वीकार्यता

## बिजली उपभोक्ताओं में मातृभाषा के उपयोग का बढ़ा रुझान

## मोर बिजली एप व एसएमएस सेवा में अंग्रेजी से कहीं आगे छत्तीसगढ़ी

डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग के बीच प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं में मातृभाषा छत्तीसगढ़ी के प्रति विशेष लगाव दिखाई दे रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की डिजिटल सेवाओं में बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब छत्तीसगढ़ी भाषा में सूचना प्राप्त करना पसंद कर रहे हैं, जो स्थानीय भाषा के प्रति बढ़ते विश्वास और अपनत्व को दर्शाता है।


छत्तीसगढ़ी के 'हंकार'... 10 गुना जादा मनखेमन चुनिन अपन महतारी भाखा...

तकनीक संग जुड़िस जड़... एसएमएस अउ ऐप म छत्तीसगढ़ी के दबदबा, अचरज म डारिस

डिजिटल जुग म... बाजत हे छत्तीसगढ़ी भाखा के डंका

"जय जोहार" आप मन के सेवा म हंव

'मैसेज' म तको माटी के महक...

कॉल सेंटर म गूंजत हे 'जय जोहार'

उपभोक्तामन के पहली पसंद बनिस 'अपन भाखा'

पत्रिका में प्रकाशित

राजभाषा छत्तीसगढ़ी को डिजिटल युग में नई पहचान मिल रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मोर बिजली एप एवं एसएमएस सेवा में अब चार लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने छत्तीसगढ़ी भाषा में सूचना प्राप्त करने का विकल्प चुना है। यह संख्या अंग्रेजी भाषा चुनने वाले उपभोक्ताओं से लगभग दस गुना अधिक है, जो प्रदेशवासियों के अपनी मातृभाषा के प्रति बढ़ते सम्मान और विश्वास को दर्शाती है।

ऊर्जा सचिव व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि राजभाषा छत्तीसगढ़ी को बढ़ावा देना कंपनी की प्राथमिकता है। स्थानीय भाषा में सूचना उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं तक संदेश अधिक स्पष्ट, सरल और प्रभावी ढंग से पहुँचता है। यह पहल प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद को और सशक्त बना रही है।

प्रदेश के लगभग 39 लाख उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर एसएमएस सेवा से जुड़े हैं। इनमें से 34.7 लाख उपभोक्ताओं को हिन्दी, चार लाख से अधिक को छत्तीसगढ़ी तथा लगभग 35 हजार उपभोक्ताओं को अंग्रेजी में संदेश भेजे जा रहे हैं। इन संदेशों में बिजली बिल भुगतान, विद्युत आपूर्ति बाधित होने की सूचना सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ शामिल होती हैं।

पॉवर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उपभोक्ता 1912 कॉल सेंटर पर संपर्क कर अथवा मोर बिजली एप के माध्यम से अपनी भाषा का विकल्प सरलता से बदल सकते हैं।

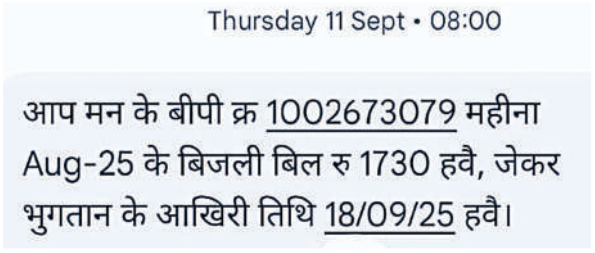


### मोर बिजली एप

**सुविधा और भरोसे का प्रतीक**

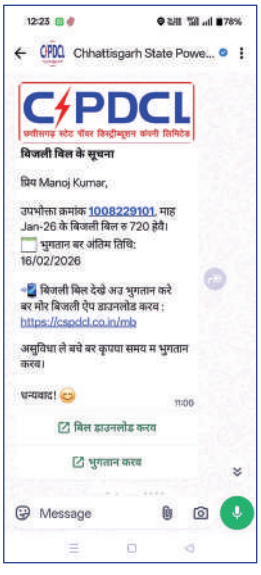





कंपनी के इंजीनियरों द्वारा विकसित मोर बिजली एप को अब तक 30 लाख से अधिक उपभोक्ता डाउनलोड कर चुके हैं। गूगल प्ले स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध इस एप को उपभोक्ताओं ने 5 में से 4.4 स्टार की सराहनीय रेटिंग दी है।

# अंतरक्षेत्रीय ब्रिज प्रतियोगिता में रायपुर सेंट्रल विजेता एवं रायपुर रीजन उपविजेता



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के केन्द्रीय क्रीडा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 18 मार्च को आयोजित अंतरक्षेत्रीय ब्रिज प्रतियोगिता 2025-26 के समापन समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर.के. शुक्ला ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर रायपुर सेंट्रल 42 अंक के साथ विजेता का खिताब अपने नाम करने में कामयाब हुये एवं रायपुर रीजन 29 अंकों के साथ उपविजेता रहे। सांत्वना पुरस्कार दुर्ग क्षेत्र को दिया गया। मास्टर पेयर में पूर्व-पश्चिम से 05 टीमों ने खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें प्रथम स्थान पर श्री डी.एल.साहू एवं श्री पंकज चौधरी रहे। द्वितीय स्थान पर श्री हरीश चौहान एवं श्री रेखराज साहू रहे। इसी प्रकार उत्तर-दक्षिण से 04 टीमों ने इस स्पर्धा में प्रतिनिधित्व किया, जिसमें प्रथम स्थान पर श्री प्रशांत उराव एवं श्री हितेश महानंद रहे। द्वितीय स्थान पर श्री दिनेश देवांगन और श्री कृष्णा कुमार यादव की जोड़ी उपविजेता रही। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एम.एस. चौहान, कार्यपालक निदेशक (पी.सी एण्ड आर.ए.) श्री के.एस. मनोठिया, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री ए.एम.परियल, उपमहाप्रबंधक श्री पंकज सिंह परमार, अधीक्षण अभियंता श्री पंकज चौधरी एवं सहायक अभियंता श्री रजनीश चौबे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मंडावी द्वारा किया गया।

## अंतरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में एचटीपीएस कोरबा पश्चिम की टीम ने बिलासपुर रीजन को 6 अंकों से हराया





एचटीपीएस कोरबा पश्चिम- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में 12 से 14 मार्च 2026 तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में एचटीपीएस कोरबा पश्चिम की टीम ने 6 अंकों से जीत दर्ज की। फाइनल मैच में कोरबा पश्चिम ने बिलासपुर रीजन को 25-19 से हराया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह ने विजेता टीम कोरबा पश्चिम को शील्ड सौंपा। रनर का खिताब बिलासपुर के नाम रहा। इस अवसर पर मुख्य अभियंता ने कोरबा पश्चिम की टीम के अभूतपूर्व खेल प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री

एमके. गुप्ता, आरके. पांडे, केएनबी. राव, एसके. नायर, एससी पाठक और परियोजना प्रबंधक श्री एसके. पंड्या ने खिलाड़ियों को आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कोरबा पश्चिम से मनरूप कंवर को आलराउंडर और माखन लाल कश्यप को बेस्ट कैचर का अवार्ड दिया गया। इससे पूर्व पहला सेमीफाइनल मैच बिलासपुर रीजन व जगदलपुर रीजन के बीच और दूसरा सेमीफाइनल मैच कोरबा पश्चिम व रायपुर सेंट्रल के बीच खेला गया। कोरबा पश्चिम के क्षेत्रीय क्रीड़ा सचिव श्री अविनेश पाठक ने खेल के सफल आयोजन के लिए मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह एवं खेल समिति से मिले सहयोग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया।

**राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन :** कबड्डी के राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए 18 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की गई है। इनमें मनरूप कंवर, ईश्वर सिंह कंवर, राकेश बघेल, नरेंद्र दीवान, माखन लाल कश्यप, प्रवीण तिर्की, अनुज प्रताप सिंह, छगन चक्रधारी, राजेंद्र सिदार, विधाता पटेल, गुमान सिंह उर्वशा, प्रकाश सिंह कंवर, शैलेंद्र बट्टी, राम गुलाल दुग्गा, अरुण कंवर, सिरबल पुरामे, कृष्ण कुमार भैना और बिहारी लाल ध्रुव शामिल हैं।

## मड़वा में आयोजित पॉवर कंपनीज अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन स्पर्धा में टीम इवेंट का खिताब कोरबा पश्चिम के नाम रहा



**मड़वा।** छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 21 से 24 मार्च तक अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा स्थित जूनियर क्लब के नवनिर्मित बैंडमिंटन कोर्ट में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में टीम इवेंट का खिताब कोरबा पश्चिम ने अपने नाम किया। 22 मार्च को सुबह हुए टीम इवेंट के फाइनल मैच में कोरबा पश्चिम के खिलाड़ियों ने जोर दिखाते हुए रायपुर सेंट्रल को हराया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया ने विजयी टीम कोरबा पश्चिम को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

अंतरक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में पॉवर कंपनीज की 9 टीम ने हिस्सा लिया। इनमें एचटीपीएस कोरबा पश्चिम, डीएसपीएम कोरबा पूर्व, एबीवीटीपीएस मड़वा, रायपुर रीजन, राजनांदगांव रीजन, जगदलपुर रीजन, रायपुर सेंट्रल, बिलासपुर रीजन एवं अंबिकापुर रीजन की टीम शामिल है। मेंस ओपन सिंगल्स में कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी अविनेश पाठक विजयी रहे जबकि मड़वा के धनेश्वर राम बाखला के नाम रनरअप का खिताब आया। विमेन्स सिंगल्स में रायपुर सेंट्रल की खिलाड़ी गायत्री दीवान रहीं जबकि रनरअप रायपुर रीजन की खिलाड़ी झरना साहू रहीं। मेंस ओपन डबल्स में कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी अविनेश पाठक एवं नरेंद्र उईके ने जीत दर्ज की जबकि रायपुर सेंट्रल के खिलाड़ी हितेंद्र मारकंडे, एवं योहान नाइक रनरअप रहे। विमेन्स डबल्स में रायपुर सेंट्रल की जूवेना गोम्स एवं गायत्री दीवान ने जीत दर्ज की। जबकि रायपुर रीजन की दिव्या आमडे एवं झरना साहू रनरअप रहीं। वेटरन सिंगल्स में रायपुर सेंट्रल के संजय वैद्य ने जीत दर्ज की जबकि रायपुर रीजन के प्रशांत नागर रनरअप रहे। वेटरन डबल्स में बिलासपुर रीजन के खिलाड़ी योगेश पटेल एवं मुकेश देवांगन विजेता बने। जबकि रायपुर सेंट्रल के खिलाड़ी संजय वैद्य एवं संजय अग्रवाल रनरअप रहे। खेल प्रतियोगिता में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, श्री एन. लकरा, श्री एसडी. द्विवेदी एवं केंद्रीय पर्यवेक्षक श्री प्रशांत बापट की गरिमामयी उपस्थिति रही।

**मड़वा विद्युत संयंत्र में दोहरा बैडमिंटन कोर्ट की सुविधा :** अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता शुरू होने से पहले मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया के हाथों नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ किया गया। पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा मड़वा विद्युत संयंत्र के जूनियर क्लब में दोहरा बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया गया है। कंपनी में योनेक्स का यह पहला बैडमिंटन कोर्ट है।

## अंतरक्षेत्रीय पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में मड़वा विद्युत संयंत्र के खिलाड़ियों का परचम



**मड़वा।** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज अंतरक्षेत्रीय पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता 25 से 26 मार्च 2026 तक अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा के जूनियर क्लब में आयोजित की गई। मड़वा के खिलाड़ियों के दोनों ही प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम चैम्पियशिप अपने नाम किया। मड़वा के खिलाड़ी बलराम वस्त्रकार को चैंपियन स्ट्रांगमेन एवं बिलासपुर के खिलाड़ी वीर बहादुर सिंह कंवर को विद्युतश्री का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसिरिया के हाथों पुरस्कार दिया गया। इस प्रतियोगिता में विद्युत कंपनीज की छह रीजन की टीम ने हिस्सा लिया। इनमें रायपुर रीजन, रायपुर सेन्ट्रल, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा पश्चिम और एबीवीटीपीएस मड़वा की टीम शामिल हैं।

पॉवर लिफ्टिंग 59 किलोग्राम वर्ग में कोरबा पश्चिम के आरके. पाटकर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान पर अंजू पैकरा एवं तृतीय स्थान पर देवनारायण बांधे रहे। 66 किलोग्राम भारवर्ग में मड़वा के खिलाड़ी बलराम वस्त्रकार प्रथम स्थान पर रहे। जबकि द्वितीय स्थान पर धनेश्वर राम बाखला एवं तृतीय स्थान पर वीर बहादुर सिंह कंवर रहे। 74 किलोग्राम वर्ग में मड़वा के खिलाड़ी समीर शुक्ला विजयी रहे। द्वितीय स्थान पर अश्वनी कुमार कंवर एवं तृतीय स्थान पर खोमलाल पटेल रहे। 83 किलोग्राम वर्ग में रायपुर रीजन की तीजूराम नेताम ने विजयी रहे। जबकि द्वितीय स्थान पर देवेश सिंह राजपूत एवं तृतीय स्थान पर राहुल त्रिपाठी रहे। 93 किलोग्राम वर्ग में कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी संजय कुमार राठौर विजयी बने। जबकि द्वितीय स्थान राकेश नायक एवं तृतीय स्थान सुरेंद्र कुमार चैधरी ने प्राप्त किया। 105 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग के खिलाड़ी राज वासनिक विजेता बने। 120 किलोग्राम वर्ग में मड़वा के खिलाड़ी नितिन श्रीवास्तव विजयी रहे। जबकि दूसरा स्थान नितिन वर्मा एवं तृतीय स्थान गौरव एक्का ने प्राप्त किया।

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता के प्रथम समूह में दुर्ग रीजन के खिलाड़ी संतोष कुमार विजयी रहे। जबकि दूसरा स्थान कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी सिंग दास ने प्राप्त किया। दूसरे समूह में बिलासपुर रीजन के खिलाड़ी अंजुलश पैकरा ने प्रतियोगिता जीती। जबकि दूसरा स्थान दुर्ग रीजन के खिलाड़ी राकेश नायक एवं तृतीय स्थान मड़वा के खिलाड़ी मुकेश कुमार पटेल ने प्राप्त किया। तृतीय समूह में बिलासपुर के खिलाड़ी वीर बहादुर सिंह कंवर विजयी रहे। जबकि दूसरा स्थान बलराम वस्त्रकार एवं तृतीय स्थान समीर शुक्ला ने प्राप्त किया। चौथे समूह में कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी आरके. पाटकर विजयी रहे। जबकि दूसरा स्थान मड़वा के खिलाड़ी धनेश्वर राम बाखला एवं तृतीय स्थान रायपुर सेंट्रल के खिलाड़ी संदीप जिंदल ने प्राप्त किया।

# विदाई

**पॉवर कंपनी के डायरेक्टर श्री पाठक को भावभीनी विदाई-** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय के सेवाभवन में 7 अप्रैल को आयोजित समारोह में डायरेक्टर (वाणिज्यिक एवं नियामक मामले) श्री आर.ए.पाठक को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ऊर्चा सचिव एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के निदेशकगण सर्वश्री एस.के.कटियार, आर.के.शुक्ला एवं भीमसिंह कंवर विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री वी.के.साय, श्री संजय पटेल, श्री एम एस चौहान, श्री आरपी नामदेव, श्री एस के ठाकुर, श्री एम एस कंवर, श्री सीएल नेताम,श्री जेएस नेताम, श्री वी के दीक्षित सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल ने किया।







**ईडी आलोक सिंह एवं एजीएम उमेश कुमार मिश्र को भावभीनी विदाई-** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ से कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री आलोक सिंह एवं अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा सहित कुल 8 अधिकारी-कर्मचारियों को अधिवार्षिकी पूर्ण होने पर 31 मार्च 2026 को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। पॉवर कंपनीज़ के मुख्यालय सेवा भवन में आयेजित समारोह में प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री एस. के. कटियार, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला, प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर तथा निदेशक श्री आरए पाठक ने सेवानिवृत्त ईडी श्री सिंह एवं एजीएम श्री मिश्र को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री वी.के. साय, सी.एल. नेताम, एम.एस. चौहान, आर.पी. नामदेव, संदीप मोदी, एम.आर. बागड़े, मनीष गुप्ता उपस्थित रहे।

**सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई-** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर में ट्रांसमिशन कंपनी में आयोजित समारोह में अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा, लेखा अधिकारी श्री ऋषि कुमार ठाकुर, श्री इम्मानुएल दास, सहायक प्रबंधक श्री राधेश्याम केशरवानी, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बिशेश्वर प्रसाद कांत, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री रामचरण वर्मा तथा लाइन सहायक श्रेणी-1 श्री महेश कुमार वर्मा को भी सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। साथ ही ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग ने एजीएम (पीआर) श्री उमेश कुमार मिश्र एवं सहायक प्रबंधक श्री राधेश्याम केसरवानी को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एएम परियल, उप महाप्रबंधक श्रीमती अल्पना शरत तिवारी, श्री पंकज सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।






**डीएसपीएम संयंत्र से वरि. सुरक्षा अधिकारी हुए सेवानिवृत्त-** डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के वरि. सुरक्षा अधिकारी श्री राकेश कुमार चैरे माह अप्रैल में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम संयंत्र के मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल, अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री सुनील सरना, श्री एल.एन. सूर्यवंशी एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति कर्मी को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी से सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन श्री अजीत तिर्की एवं आभार प्रदर्शन श्री देवी शंकर राय ने किया।



**श्री परमानंद पांडेय, श्री दानेश्वर प्रसाद शर्मा, श्री विजय कुमार चंद्रा, श्री रामशरण कैवर्त, श्री परसराम भारिया, श्री लखन लाल चंद्रा एवं श्री राजू दहायत -** एचटीपीएस कोरबा पश्चिम -हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह मार्च में अधीक्षण अभियंता परमानंद पांडेय, सहायक अभियंता दानेश्वर प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ पर्यवेक्षक विजय कुमार चंद्रा, कनिष्ठ पर्यवेक्षक रामशरण कैवर्त, परसराम भारिया, लखन लाल चंद्रा एवं राजू दहायत सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी व कर्मचारियों को मुख्य अभियंता एचके. सिंह स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एमके. गुप्ता, आरके. पांडे, केएनबी. राव, एके. शाह, एससी पाठक, एसके. नायर और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके. कुरनाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा 29 वर्ष से 41 वर्ष के अपने दीर्घ कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया गया।

**श्री आनंद स्वरूप ओझा, श्री राकेश नितिन सिंह, श्री गोवर्धन रावत एवं श्री घनश्याम साहू-** एचटीपीएस कोरबा पश्चिम -हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह फरवरी में अधीक्षण अभियंता आनंद स्वरूप ओझा, कनिष्ठ पर्यवेक्षक राकेश नितिन सिंह, गोवर्धन रावत और घनश्याम साहू सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी व कर्मचारियों को मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह के हाथों स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आरके. पांडे, केएनबी. राव, पीके. जोशी, एके. शाह, एससी पाठक, एसके. नायर, परियोजना प्रबंधक श्री एसके पंड्या और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके. कुरनाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा अपने दीर्घ कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया गया।





**श्री अमिताभ शुक्ला** - मड़वा। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से मार्च माह में अधीक्षण अभियंता अमिताभ शुक्ला सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया के हाथों सेवानिवृत्त अधिकारी को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आरएल. ध्रुव, एसडी. द्विवेदी और एन. लकरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया गया।

**श्री डोमिनिक तिर्की एवं श्री कृष्ण कुमार राठौर -** जांजगीर। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से अप्रैल माह में मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री डोमिनिक तिर्की एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री कृष्ण कुमार राठौर सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे दोनों कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया द्वारा उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया गया। मुख्य अभियंता के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आलोक लकरा, आरएल ध्रुव और एन. लकरा की गरिमामयी उपस्थिति रही।



## हमारे गौरव

### विनय अग्रवाल



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर के उपमहाप्रबंधक (विधि) कार्यालय में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्री संदीप कुमार अग्रवाल के सुपुत्र चि.विनय अग्रवाल ने आई.सी. एस.ई. कक्षा दसवीं बोर्ड (विज्ञान संकाय) में 97 प्रतिशत अंकों के साथ दि रेडिएंट वे स्कूल, रायपुर में तृतीय स्थान प्राप्त किया। बधाई...

### शौर्य साहू



डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के ईडी (ईआईटीसी) कार्यालय में पदस्थ सहायक अभियंता श्रीमती भारती साहू तथा दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेंद्र साहू के सुपुत्र शौर्य साहू ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड में 96.8% प्राप्त कर केंद्रीय विद्यालय डीडी नगर रायपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बधाई...

# कम जगह में सुंदर दिखेंगे बिजली के मोनोपोल अति उच्चदाब टावर

## CSPTCL ने राजधानी में विशाल टावर की जगह लगाना शुरू किया मोनो पोल



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने राजधानी में जमीन की कमी को देखते हुए अब नई पारेषण लाइनों के विस्तार का काम मोनो पोल से करना आरंभ कर दिया है। इन मोनो पोल के माध्यम से अतिउच्च दाब लाइनों के केबल लगाए जाते हैं, जिसमें बहुत कम जमीन की आवश्यकता होती है और यह देखने में भी सुंदर होते हैं। राजधानी से लगे मेटल पार्क में 250 मीटर नई 132/33 केवी लाइन को मोनोपोल से विस्तारित करने का पहला प्रयोग किया गया, जिसे 27 मार्च को ऊर्जीकृत करके विद्युत सप्लाई आरंभ की गई।

इस उपलब्धि के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह एवं ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव के निर्देशन में यह कार्य संपादित किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शहरों में सघन आबादी होने के कारण अतिउच्चदाब की लाइनें बिछाने में समस्या रहती है। लगातार शहर के विस्तार से जमीन की कमी रहती है। पुरानी पद्धति से ईएचटी टावर लगाने पर प्रति टावर एक से दो हजार वर्गफीट जगह जमीन की आवश्यकता होती है, जबकि मोनो पोल के लिए केवल 50 वर्गफीट जमीन की जरूरत पड़ती है। शहरी क्षेत्रों में टावर लगाने के लिए जमीन नहीं मिलती। इसके विकल्प के रूप में मोनोपोल तकनीक से अतिउच्च दाब लाइनों का विस्तार किया जाता है। यह सुंदर दिखने के साथ अधिक सुरक्षित भी होता है। इसमें सामान्य लोग चढ़ भी नहीं सकेंगे, जिससे टावर में चढ़ने जैसी घटनाएं नहीं होंगी।

राजधानी से लगे औद्योगिक क्षेत्र उरला-सिलतरा में मेटलपार्क स्थित 132/33 केवी सब-स्टेशन से नई लाइन खींची गई है, इसमें मोनोपोल का इस्तेमाल किया गया है। लगभग 100 फीट ऊंचे पोल से ईएचटी लाइन खींची गई है। ट्रांसमिशन कंपनी ने कैपिटल इंवेस्टमेंट प्लान के तहत अपने वित्त प्रबंधन से इसे तैयार किया है। इसमें 8 करोड़ रुपए की लागत आई है। इसे मेटलपार्क सिलतरा में नवनिर्मित 132/33 केवी के उपकेन्द्र से जोड़ दिया गया है, जिससे विद्युत आपूर्ति शुरू हो गई है।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, संजय पटेल, एमएस चौहान, वीके दीक्षित, मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीश, प्रसन्ना गोसावी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में शहरी क्षेत्रों में इसी तरह के मोनो पोल लगाए जाएंगे। ताकि कम जगह में सुंदरता के साथ अतिउच्चदाब लाइनों का विस्तार किया जा सके।

# मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026



## बिजली के बकाया बिलों से चिंतित उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

- **12 मार्च 2026** को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की शुरुआत
- **28 लाख** से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ
- **₹758 करोड़** तक की छूट (मूल राशि + अधिभार)
- **कोरोना महामारी** के दौरान बकाया हुए बिलों पर मिलेगी राहत
- **निम्न दाब घरेलू, बीपीएल** व **कृषि** उपभोक्ताओं को फायदा
- **30 जून 2026** तक मोर बिजली ऐप, वितरण केंद्र व शिविरों में **पंजीयन की सुविधा**



**श्री विष्णु देव साय**
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

**सुशासन सरकार की जनहितकारी पहल**

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ व्दारा जारी

CSPTCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

सी एस पी जी सी एल CSPGCL

CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड